RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 245 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 24 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

इस्राइली हमले में 62,622 फलस्तीनियों की मौत

गाजा में फैल रही अकाल और भुखमरी

गाजा (एजेंसी)। गाजा में दिन-प्रतिदिन हालात और खराब होते जा रहे हैं। इस्राइल ने शनिवार को (स्थानीय समयानुसार) गाजा में ताजा हमला किया, जिसमें कम से कम 33 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें औरतें, बच्चे और खाने की तलाश कर रहे लोग भी शामिल थे। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस युद्ध में अब तक 62,622 फलस्तीनी जान गंवा चुके हैं। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो पहले लापता थे और अब उनकी मौत की पुष्टि हो गई है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आज फिर विधायक पंकज सिंह का तूफानी जन संवाद अभियान जारी

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले तकरीबन 10 दिनों से शुरू नोएडा के विधायक तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह का गांव तथा सेक्टर में दौरा तथा जनसंवाद का कार्यक्रम आज भी जारी रहा। आज पंकज सिंह सबसे पहले सेक्टर-50 पहुंचे तथा वहां क्लब हाउस में आरडब्ल्यूए तथा सेक्टरवासियों के साथ बैठक की। इस दौरान सेक्टरवासियों ने विधायक के समक्ष जल तथा सीवर, सड़क, उद्यान विभाग एवं बिजली विभाग की कई समस्याएं रखी। विधायक ने मौके पर मौजूद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से उन समस्याओं को नोट करने तथा निर्धारित समय पर समाधान करने के निर्देश भी दिए।

लोगों की जनसमस्या सुनने के बाद विधायक ने उनको आश्वासन दिया कि सभी समस्याएं निर्धारित अवधि में दूर कर दी जाएंगी। इसके बाद विधायक सेक्टर-47 स्थित जलवायु सेक्टर एवं लोटस स्पेशल सोसायटी पहुंचे तथा वहां लोगों की समस्याएं सुनी। खबर लिखे जाने तक विधायक का दौरा जारी था। मालूम हो कि आज विधायक 9 सेक्टरों के सोसाइटी में तथा आरडब्ल्यूए में लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

बता दें कि कल भी विधायक पंकज सिंह ने 10 सेक्टरों एवं सोसाइटियों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनी तथा जन संवाद स्थापित किया।

आज के कार्यक्रम में नोएडा प्राधिकरण के सिविल तथा जन स्वास्थ्य के महाप्रबंधक एसपी सिंह, वर्क सर्किल-3 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक राजकमल सिंह समेत विभिन्न विभागों के कई अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी आदि लोग मौजूद थे।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष ओमवीर अवाना, करतार सिंह चौहान, महामंत्री डिंपल आनंद, चंदगीराम यादव, भूपेश चौधरी, महेश अवाना, मनोज चौहान, अशोक मिश्रा, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश यादव, नीरज चौधरी, मंडल अध्यक्ष रामकिशन यादव, धर्मेंद्र चौहान, सुमित तथा आरडब्ल्यूए के कई पदाधिकारी तथा सेक्टरवासी मौजूद थे।

दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की क्रूरता से हत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा से सनसनीखेज मामला सामने आया है। दादरी थाना इलाके के सिरसा गांव में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की क्रूरता से हत्या कर दी गई। ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता को बर्बरता से पीटा और फिर उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसने पर महिला की बहन उसे पड़ोसियों की मदद से अस्पताल ले गई, दो अस्पताल बदले, लेकिन इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। दिल दहलाने वाली घटना के बाद मृतका महिला की बहन और परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

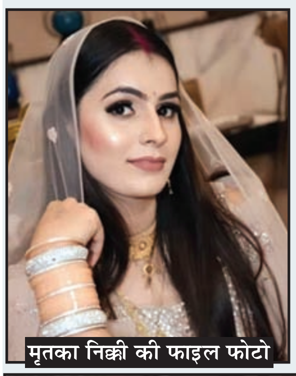

मृतका निक्की की फाइल फोटो

रूपबास गांव के रहने वाले भिकारी सिंह ने बताया कि उनकी पुत्री कंचन (29) और निक्की (27) की शादी दिसंबर 2016 में सिरसा गांव के रहने वाले रोहित और उसके भाई विपिन से हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में स्कॉर्पियो गाड़ी और सभी सामान दिया था लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल के लोग 35 लाख रुपये की मांग करने लगे।

शादी के बाद से ही पति विपिन भाटी, जेठ रोहित भाटी, सास दया और ससुर सत्यवीर लगातार 35 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज मांग रहे थे। पीड़ित परिवार ने आरोपियों की मांग पूरी करने के लिए एक और कार भी दे दी, लेकिन प्रताड़ना का सिलसिला जारी रहा। दोनों बहनों के साथ ससुराल के लोग मारपीट करते थे। कई बार पंचायत कर समझौता किया। लेकिन आरोपियों ने समझौते को नहीं माना।

वहीं, मृतका निक्की की बड़ी बहन कंचन का आरोप है कि उसकी सास दया और देवर विपिन ने मिलकर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

हाईवे पर बलात्कार की कोशिश

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-58 पर शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली निवासी 35 वर्षीय महिला से चलते टेंपो में चालक ने दुष्कर्म की कोशिश की। विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दी। आबरू बचाने के लिए महिला एमआईईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के पास चलते टेंपो से सड़क पर कूद गई। इससे महिला के सिर, हाथ और नाक की हड्डी टूट गई। पुलिस पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती कराने के बाद आरोपी की तलाश रही है। सीओ दौराला प्रकाशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली के कल्याणपुरी निवासी महिला शनिवार शाम कंकरखेड़ा में किसी नेता के यहां आई थी।

- **एक किमी तक चीखती रही महिला**
- **सिर-हाथ और नाक की टूटी हड्डी**

पुलिस को महिला ने पूछताछ में बताया कि वह बर्थडे पार्टी के बाद हाईवे से आनंद विहार की सवारी के लिए परतापुर तक टेंपो में सवार हुई थी। टेंपो में कोई और यात्री नहीं था। चालक ने उसे आगे अपने बराबर में बैठने के लिए कहा। महिला चालक के बराबर में बैठ गई। कुछ दूर चलने पर नशे में धुत टेंपो चालक ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर पीछे से उसकी गर्दन पकड़ ली और दुष्कर्म की कोशिश की। शोर मचाने पर आरोपी ने टेंपो से फेंकने और जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर चालक ने महिला के साथ मारपीट की। एमआईईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्पीड कुछ कम होने पर महिला चलते टेंपो से हाईवे पर कूद गई।

हाईवे पर गिरकर वह लहूलुहान हो गई। हाईवे से गुजर रहे लोगों ने फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गंभीर हालत में महिला को **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

पुलिस एनकाउंटर में आरोपी पति गिरफ्तार

निक्की मर्डर केस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। निक्की हत्याकांड के मुख्य आरोपी उसके पति विपिन को आज पुलिस ने एनकाउंटर में पैर में गोली मारकर घायल कर दिया तथा उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी हिरासत से भागने का प्रयास कर रहा था सिरसा के पास पुलिस ने गोली मारी जो उसके पैर में लगी इसके बाद उसको गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि विपिन ने अपनी पत्नी निक्की को ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाकर हत्या कर दी थी इसको लेकर दो दिनों से मीडिया में यह खबर सुर्खियों में है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

वाहनों पर नकली रिफ्लेक्टर टेप मिलने पर होगी सख्ती

लगेगा 10 हजार रुपये का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर परिवहन विभाग ने नकली और गैर-मानक रिफ्लेक्टर टेप बेचने एवं लगाने वालों पर सख्ती शुरू कर दी है। शनिवार को एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. सियाराम वर्मा ने xM इंडिया लिमिटेड के सीनियर एरिया सेल्स मैनेजर गौरव पूनिया के साथ शहर के विभिन्न बाजारों का निरीक्षण किया। इस दौरान बड़ी मात्रा में नकली रिफ्लेक्टर टेप बरामद कर जब्त किए गए।

नियमों के मुताबिक, कमर्शियल वाहनों पर लगने वाले रिफ्लेक्टर टेप का मानक तय है—सफेद टेप की चमक 450 कैंडूला, लाल की 120 कैंडूला और पीली की 300 कैंडूला होनी चाहिए। लेकिन जांच में मिले नकली टेप की चमक मानक से काफी कम पाई गई—सफेद टेप 77, लाल 14 और पीली 90 कैंडूला ही निकली। ये टेप दूर से दिखाई नहीं देते और सड़क सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक हैं।

अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि भविष्य में नकली रिफ्लेक्टर टेप बेचने पर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं, वाहन स्वामियों को भी आगाह किया गया है कि यदि उनके वाहनों पर नकली टेप पाए गए तो 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

एआरटीओ डॉ. सियाराम वर्मा ने कहा कि नकली रिफ्लेक्टर टेप सड़क सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। रात में वाहन की पहचान न होना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकता है। उन्होंने अपील की कि वाहन मालिक केवल मानकयुक्त और मेक इन इंडिया रिफ्लेक्टर टेप का ही उपयोग करें। परिवहन विभाग लगातार चेकिंग अभियान चलाकर नकली सामग्री बेचने और इस्तेमाल करने वालों पर कार्रवाई करता रहेगा।

'नारी शक्ति करेंगी गांवों में बनने वाले आवासों की नींव मजबूत'

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण राज मिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर और अधिक कुशल, दक्ष और हुनरमंद बनाया जा रहा है, इससे मिस्त्रियों के लिए रोजगार के नये द्वार खुल रहे हैं और राज मिस्त्रियों के प्रशिक्षण से उनकी आय में बढ़ोतरी भी हो रही है। यही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के तहत बनाये जा रहे आवासों की गुणवत्ता में भी और अधिक सुधार भी होगा। ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुरूष / महिला को सर्टिफिकेशन के बाद बड़े जगहों एवं निर्माण एजेन्सियों में कार्य करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी कार्य क्षमता के उपयोग के साथ उन्हें बेहतर मजदूरी भी मिलती है।

- **राज मिस्त्रियों के प्रशिक्षण से रोजगार के खुल रहे हैं नये द्वार**
- **45 हजार राजमिस्त्रियों के साथ 7017 रानी मिस्त्रियां भी प्रशिक्षित**

ग्राम्य विकास विभाग ग्रामीण परिवारों के उत्थान के लिए सतत् प्रयासरत है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत रूरल मेसन ट्रेनिंग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत 45 हजार राजमिस्त्रियों से अधिक (पुरूष)तथा लगभग 7017 रानी मिस्त्रियों(महिला)को प्रशिक्षित किया जा चुका है। गांव के पुरुषों के साथ-साथ अब महिलाएं भी एक मजबूत आवास बनाने का कार्य कर रहीं है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्रियों की पर्याप्त उपलब्धता से निर्माण कार्यों में तेजी आएगी तथा लोगों के लिए रोजगार के नये अवसर भी प्राप्त होंगे। विशेष बात तो यह भी है कि इस योजना में रानी मिस्त्रियों यानी महिलाओं को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पुरूषों के साथ महिला राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे महिला सशक्तीकरण एवं उनको आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल रही है।

जानकारी दे दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के आवासों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने तथा घरों के निर्माण के लिए कुशल राजमिस्त्रियों उपलब्धता सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत रूरल मेसन ट्रेनिंग का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर जो राजमिस्त्री का प्रशिक्षण लेने के इच्छुक हो, को प्रशिक्षण देने की कार्यवाही की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में जो राजमिस्त्री पहले से राजगीरी का काम कर रहे होते हैं ,उन्हें 15 दिन का और जो व्यक्ति राजमिस्त्री का काम नहीं करते हैं या नहीं जानते हैं और प्रशिक्षण लेने के इच्छुक होते हैं , तो उन्हें 45 दिन का प्रशिक्षण देकर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

उपमुख्यमंत्री जम्मू कश्मीर सुरेंद्र चौधरी एवं चौ. राकेश टिकैत का किसान क्रांति गेट गाजीपुर बॉर्डर दिल्ली किसान भवन सिसौली मुज़फ़्फ़रनगर जाते समय स्वागत किया गया।

संसद का वक्त

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गईं। यानी संसद का मॉनसून सत्र समाप्त हो गया। यह संसद सत्र न भी होता, तो कोई फर्क नहीं पड़ता। कोई राष्ट्रीय नुकसान नहीं होता। हम यह बहुत भारी मन से लिख रहे हैं, व्यथित महसूस कर रहे हैं। हालांकि यह कहना देशहित में नहीं है, क्योंकि संसद हमारा सर्वोच्च और गरिमामय लोकतांत्रिक मंदिर है। बार-बार यह महज एक कथन, आदर्श वाक्य लगता है, क्योंकि संसद एक अखाड़ा बन कर रह गई है। संसद सत्र के दौरान करीब 190 करोड़ रुपए फूंक दिए गए। संसद की सार्थक कार्यवाही नहीं चल सकी। एक दिन की संसदीय कार्यवाही पर औसतन 9 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। यह राशि सांसदों की नहीं, बल्कि देश की करदाता जनता की है। हंगामे, शोर-शराबे और कार्यवाही के बार-बार स्थगन के लिए जनता पैसे क्यों दे? सदन चले अथवा स्थगित हो जाए, लेकिन सांसद को 2500 रुपए का रोजाना भत्ता जरूर मिल जाता है। इस बार कुछ सांसदों ने ही यह मुद्दा उठाते हुए कहा है कि सदन के स्थगन से जितना आर्थिक नुकसान हुआ है, उतनी राशि सांसदों से ही वसूल की जाए। सांसदों के वेतन और भत्तों में कटौती की जाए। विपक्ष ने सत्र के दौरान एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा जारी रखा, जबकि उन्हें भी जानकारी थी कि संसद के भीतर चुनाव आयोग पर बहस नहीं की जा सकती। मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण चुनाव आयोग का संवैधानिक विशेषाधिकार है, लेकिन विपक्ष ने सदन के भीतर और बाहर लगातार हंगामा किया और उसे अपना संवैधानिक अधिकार बताया। उस संदर्भ में वह बार-बार दिवंगत नेता अरुण जेतली को उद्धृत करता रहा। यदि संवैधानिक अधिकार के कारण ही संसद की कार्यवाही बाधित होती रहे और अंततः उसे स्थगित करना पड़े, तो उसके नुकसान की भरपाई कौन करेगा? यह कहना अर्द्धसत्य है कि सदन की कार्यवाही चलाना सत्ता पक्ष का दायित्व है। यह कथन तब सही है, जब कार्यवाही में विपक्ष भी लगातार भागीदार बने। तभी बहस और चर्चाएं संभव हैं, तभी विधेयकों पर सामूहिक चर्चा कर उन्हें पारित करना संभव है। कहने को लोकसभा में 12 बिल और राज्यसभा में 14 बिल पारित किए गए। उन्हें 'हां' अथवा 'ना' के ध्वनिमत से पारित कर लिया गया। उसके लिए संसद की क्या जरूरत है? ऑनलाइन गेमिंग सरीखे बिल, जो करीब 45 करोड़ लोगों को प्रभावित कर रहा है और करीब 20,000 करोड़ रुपए दांव पर हैं, बिना चर्चा के ही पारित कर लिए गए। इंडियन पोर्ट्स बिल 2025 और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल महत्वपूर्ण बिल थे, लेकिन वे भी बिना चर्चा के पारित कर लिए गए। यदि संसद में ऐसा ही चलना है, तो सत्र बुलाने की क्या आवश्यकता है? लोकसभा की उत्पादकता 31 फीसदी और राज्यसभा की 35 फीसदी रही। लोकसभा में विधायी कार्य 2.9 घंटे और राज्यसभा में 13.1 घंटे ही हो सका। संसद सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला और 21 बैठकें हुईं। लोकसभा में 126 घंटे काम होना तय था, लेकिन 37 घंटे ही हो सका। लोकसभा में प्रश्नकाल मात्र 4.7 घंटे और राज्यसभा में 1.2 घंटे ही चला। संसद का क्या औचित्य है कि सांसद मंत्री से सवाल ही न कर सके? यह सत्र उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति के लिए भी याद किया जाएगा कि अचानक उन्हें इस्तीफा देने को बाध्य किया गया। पूर्व उपराष्ट्रपति न जाने कहां छिपे हैं कि उन्होंने एक भी बयान नहीं दिया है? उन्हें विदाई पार्टी भी नहीं दी गई! 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस तो हुई और अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने 102 मिनट का सबसे लंबा भाषण दिया, लेकिन कई पहलू छूट गए। युद्धविराम किसने कराया, प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में जवाब नहीं दिया। कई बिल बिना चर्चा के पास होना कुछ सवाल खड़े करता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि तब राजा ने मन में हर्षित होकर ये वचन कहे- हे मुनि! इस प्रकार कृपा तो आपने कभी नहीं की। आज किस कारण से आपका शुभागमन हुआ? कहिए, मैं उसे पूरा करने में देर नहीं लगाऊँगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

असुर समूह सतावहिं मोही। मैं जाचन आयउँ नृप तोही॥
अनुज समेत देहु रघुनाथा। निसिचर बध मैं होब सनाथा॥

(मुनि ने कहा-) हे राजन! राक्षसों के समूह मुझे बहुत सताते हैं, इसीलिए मैं तुमसे कुछ माँगने आया हूँ। छोटे भाई सहित श्री रघुनाथजी को मुझे दो। राक्षसों के मारे जाने पर मैं सनाथ (सुरक्षित) हो जाऊँगा॥

दो0- देहु भूप मन हरषित तजहु मोह अग्यान।
धर्म सुजस प्रभु तुम्ह कौं इन्ह कहँ अति कल्यान॥

हे राजन! प्रसन्न मन से इनको दो, मोह और अज्ञान को छोड़ दो। हे स्वामी! इससे तुमको धर्म और सुयश की प्राप्ति होगी और इनका परम कल्याण होगा॥

सुनि राजा अति अप्रिय बानी। हृदय कंप मुख दुति कुमुलानी॥
चौथेंपन पायउँ सुत चारी। बिप्र बचन नहिं कहेहु बिचारी॥

इस अत्यन्त अप्रिय वाणी को सुनकर राजा का हृदय काँप उठा और उनके मुख की कांति फीकी पड़ गई। (उन्होंने कहा-) हे ब्राह्मण! मैंने चौथेपन में चार पुत्र पाए हैं, आपने विचार कर बात नहीं कही॥ (क्रमशः...)

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामें का नहीं

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है।

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मर्यादा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया।

ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर प ?ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है।

भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग ब? रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी।

संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।

कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बर्बादी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाड़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

– **ललित गर्ग**
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

पहले जापान फिर चीन...कूटनीति में यात्रा का क्रम कई संदेश देता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा केवल दो देशों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि एशिया तथा वैश्विक राजनीति की दिशा और संतुलन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं, इसके प्रभाव वॉशिंगटन तक भी पहुँचेंगे।

सबसे पहले, 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, जहाँ वह प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ 15वें भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मोदी का जापान का आठवाँ दौरा और इशिबा के साथ उनकी पहली मुलाक़ात होगी। हम आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप' है, जिसमें रक्षा-सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी सहयोग और जन-से-जन संपर्क प्रमुख आधार हैं। इस यात्रा के माध्यम से मोदी यह संदेश देंगे कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक, पारदर्शी और नियम-आधारित व्यवस्था का प्रबल समर्थक है। जापान के लिए यह संकेत भी स्पष्ट होगा कि भारत उसके साथ गहरी साझेदारी चाहता है और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच वह अकेला नहीं है।

इसके बाद, 31 अगस्त-1 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (FDI) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। स्ष्ठ्ठ भारत की एशिया नीति का अहम हिस्सा है, जहाँ सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होता है। इस मंच

पर मोदी की मौजूदगी चीन के लिए यह संदेश है कि भारत टकराव नहीं बल्कि संवाद और बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर है। साथ ही यह भी स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग बढ़ाकर बीजिंग पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाए रखने की क्षमता रखता है।

कूटनीति में यात्रा का क्रम भी संदेश देता है। मोदी ने पहले जापान और फिर चीन का दौरा तय कर यह जताया है कि भारत एशिया में अपनी स्वतंत्र रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता है। बीजिंग को संकेत दिया गया है कि भारत उसकी शर्तों पर नहीं झुकेगा और जापान को आश्वस्त किया गया है कि चीन के साथ संवाद उसकी कीमत पर नहीं होगा।

इसके अलावा, जापान के साथ रक्षा सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का संतुलन साधने में मदद कर सकता है, वहीं जापान निवेश और तकनीकी सहयोग का भी बड़ा स्रोत है। दूसरी ओर, चीन के साथ सीधे संवाद बनाए रखने से भारत को सीमा विवाद और FDI जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखने का अवसर मिलता है। इस क्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का हालिया बयान उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि परिस्थितियाँ मांगने पर चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर लगी पाबंदियों की समीक्षा की जा सकती है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और चीन के साथ तालमेल की संभावनाएँ खुल रही हैं।

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका— तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है।

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका— तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है।

जापान में जाकर भारत अपने 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप' को मजबूत करता है, जो अमेरिका की इंडो-पैसिफिक दृष्टि से मेल खाता है। वहीं चीन जाकर मोदी यह दिखाएंगे कि भारत अपने पड़ोस और बहुपक्षीय मंचों की अनदेखी नहीं करेगा।

बहरहाल, मोदी की जापान और चीन यात्रा अमेरिका को यह याद दिलाती है कि भारत उसका 'नेचुरल पार्टनर' तो है, लेकिन 'जूनियर पार्टनर' नहीं। भारत सहयोग का पक्षधर है, पर अपनी स्वायत्तता से समझौता नहीं करता। यह दौरा साफ़ तौर पर दिखाता है कि भारत किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति को प्राथमिकता देता है। **-नीरज कुमार दुबे**

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष प्रतिपदा | (विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन डरा रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम रहेगी। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यावसायिक कोई नई शुरुआत न करें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भाग्य पर भरोसा करके कोई कार्य न करें। इन दिनों भाग्य साथ नहीं देगा और किसी भी तरीके की कोई अपमानित होने जैसी घटना हो सकती है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई भी रिस्क मत लीजिए। चोट-चपेट लग सकती है। वाहन धीरे चलाएं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में रिस्क है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रु बहुत ही डिस्टर्ब करने की कोशिश करेंगे और डिस्टर्बेंस बनी रहेगी लेकिन जीत आपकी होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में रहेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित होगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान, गला की परेशानी होगी। व्यावसायिक बहुत अच्छी स्थिति नहीं है। प्रेम, संतान अच्छा है और स्वास्थ्य भी मध्यम है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर लगाम रखें। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
अज्ञात भय सताएगा। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान मध्यम है।

पंचायती राज विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में पंचायती राज विभाग से संचालित योजनाओं व कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव, डीपीएम, डीसी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि संचालित योजनाओं में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए। ग्राम पंचायत स्तर पर कराए जा रहे कार्यों की समय-समय पर नियमित रूप से सत्यापन किया जाएगा, ताकि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुँच सके।

मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर कार्यों में उदासीनता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से यह कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएँ और योजनाओं की प्रगति को गति प्रदान करें।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। मुख्य विकास अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आमजन की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी।

दिया गया रक्त बन सकता है किसी की जीवन धड़कन : बीके ऋतु बहन

ब्रह्माकुमारीज केंद्र 46 में रक्तदान शिविर का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। ब्रह्माकुमारीज संस्था के समाजसेवा प्रभाग द्वारा पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि (25 अगस्त) के अवसर पर भारत और नेपाल स्तर पर 23 अगस्त से एक विशाल रक्तदान महाअभियान प्रारंभ किया गया है। इसकी औपचारिक शुरुआत ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय, माउंट आबू से हुई। इस अभियान को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मानवता, सेवा और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों में अत्यंत उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले दो दिनों (23 और 24 अगस्त) में 670 शिविरों के माध्यम से लगभग 50,000 यूनिट रक्त एकत्र किया जा चुका है। लक्ष्य है कि 25 अगस्त तक 1500 से अधिक शिविरों के माध्यम से एक लाख यूनिट रक्त एकत्र कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया जाए।

नोएडा में इस राष्ट्रीय स्तर के अभियान का संचालन बीके कीर्ति (लीना दीदी) के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा 'शास्त्रों में कहा गया है- दानं परमं बलं, अर्थात् दान सबसे बड़ा बल है। रक्तदान एक महान जीवनदान है, जिससे किसी को नया जीवन मिल सकता है। यह सच्ची मानवता की सेवा है।

बीके ऋतु बहन ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता और भाईचारे का उत्सव है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी अन्य के जीवन की धड़कन बन सकता है।

इसरो रोबोटिक्स चैलेंज में शारदा विवि. को मिला दूसरा स्थान

टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिल चुका है पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शारदा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग की टीम सूर्या ने दिल्ली में आयोजित इसरो रोबोटिक्स चैलेंज में अखिल भारतीय रैंक दूसरा स्थान हासिल किया। सिस्टम की ख़ासियत नेविगेशन, स्थानीयकरण और स्वचालित लैंडिंग के लिए स्व-विकसित नवीन एल्गोरिदम का कार्यान्वयन है, जिसका बेंगलुरु स्थित इसरो यूआरएससी सैटेलाइट सेंटर में परीक्षण किया। अंतरिक्ष राज्य मंत्री और इसरो के निदेशक ने पुरस्कार प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद ने बताया की प्रतियोगिता में 510 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 222 को प्रारंभिक दौर के लिए चुना गया। इसके बाद, विभिन्न कॉलेज की 177 टीमें क्वालीफिकेशन राउंड में पहुंची,उसके बाद 37 टीमें एलिमिनेशन राउंड में गई । आखिर में आईआईटी, एनआईटी, और आईआईआईटी सहित केवल 16 टीमें ही इसरो सैटेलाइट सेंटर, बेंगलुरु में आयोजित फाइनल फील्ड राउंड में पहुंच पाई जहां शारदा विश्वविद्यालय की टीम ने पूरे भारत में गर्व से दूसरा स्थान हासिल किया।

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी सुदीप वार्ष्णेय ने बताया की टीम लीडर कार्तिक पांडे और सह-लीड मुस्कान के नेतृत्व में, सदस्य प्रशांत के साथ, हमारे मार्गदर्शक रानी अस्त्य और जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में किया। इस परियोजना को विश्वविद्यालयवित्त की तरफ से आर्थिक सहायता भी की गई है। टीम सूर्या ने एक यूएवी प्रणाली का डिज़ाइन और विकास किया जो पूरी तरह से जीपीएस-रहित वातावरण में काम करने में सक्षम है। यूएवी ड्रोन अपने ऑनबोर्ड नेविगेशन सिस्टम के साथ खुद को स्थानीयकृत कर सकता है, स्वचालित रूप से सुरक्षित लैंडिंग क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और सटीक स्वचालित लैंडिंग कर सकता है। हालांकि इस टीम को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा इसरो रोवर चैलेंज, 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य यही है कि विद्यार्थियों को सक्षम बनाएं और भारत को विकसित बनाने में मदद कर सकें। पिछले साल में शुरू हुई यह यात्रा अथक प्रयास, नवाचार और टीम वर्क का परिणाम रही है। यह सम्मान प्राप्त करना न केवल हमारी सफलता का उत्सव है, बल्कि रोबोटिक्स को आगे बढ़ाने और भारत के अंतरिक्ष नवाचारों को मज़बूत करने में योगदान जारी रखने की प्रेरणा भी है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी को मार ने मारी टक्कर, मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के विजयनगर क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे स्थित आईपीएम कॉलेज के निकास प्वाइंट पर ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मी विपिन को कार ने टक्कर मार दी। सिपाही को गंभीर रूप से घायल अवस्था में मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान सिपाही ने दम तोड़ दिया। विजयनगर पुलिस ने कार सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एडीसीपी सच्चिदानंद ने बताया कि मूल रूप से खुर्जा निवासी विपिन कुमार गाजियाबाद ट्रैफिक विभाग में सिपाही थे। शुक्रवार की शाम विपिन कुमार आईपीईएम कॉलेज के सामने ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहे थे। इसी दौरान एक अर्टिगा कार के चालक ने लापरवाही और तेजी से विपिन को टक्कर मारकर कुचल दिया। टक्कर मारने के बाद चालक तेजी से कार लेकर भाग गया। गंभीर रूप घायल विपिन को मणिपाल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनकी मौत हो गई है। घायल विपिन कुमार का भाई अक्षय कुमार यातायात पुलिस में है। अक्षय कुमार की शिकायत पर विजयनगर थाना पुलिस ने अर्टिगा कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उधर, एसीपी नगर कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि सीसीटीवी खंगालकर कार चालक और उसके साथी की पहचान कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि कार सदरपुर निवासी विनीत चला रहा था और उस कार में उसका दोस्त सुमित भी सवार था। दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पृष्ठ एक के शेष....

इस्राइली हमले में ....

इस्राइल के रक्षा मंत्री ने चेतावनी दी है कि अकालग्रस्त गाजा शहर कुछ ही दिनों में होने वाले एक नए सैन्य अभियान में तबाह हो सकता है। वहीं, सहायता समूह लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि गाजा में खाद्य और चिकित्सा आपूर्ति पर महीनों से लगे इस्राइली प्रतिबंधों के कारण भुखमरी फैल रही है। लेकिन, इस्राइल ने अकाल की घोषणा को सरासर झूठ बताकर खारिज कर दिया है। वहीं, युद्धविराम के प्रयास स्थगित हैं, क्योंकि मध्यस्थ इस्राइल के अगले कदमों का इंतजार कर रहे हैं।

एक अस्पताल के मुर्दाघर के रिकॉर्ड और स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस्राइल ने ताजा हमला दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में विस्थापित लोगों के तंबुओं पर किया, जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे शामिल थे। वहीं, शेख रादवान फील्ड अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी गाजा में इस्राइली गोलीबारी में कम से कम पांच सहायता चाहने वालों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह हमला इस्राइल से लगी जिकिम क्रॉसिंग के पास हुआ, जहां से संयुक्त राष्ट्र और अन्य ट्रकों के काफिले इस क्षेत्र में प्रवेश करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में भूख और अकाल जैसे हालात हैं। गाजा के करीब पांच लाख लोग (लगभग 25 प्रतिशत आबादी) बहुत बुरी तरह भूख से जूझ रही है। बच्चे कुपोषण से मर रहे हैं। अब तक 281 मौतें सिर्फ भूख और कुपोषण से हुई हैं। वहीं, इस्राइल का कहना है कि उसने पर्याप्त मदद पहुंचाई है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और राहत संगठनों का कहना है कि ये काफी नहीं है।

'नारी शक्ति करेंगी....

कुशल मिस्त्री बनाया जाता है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन0एस0डी0सी0) के ग्रामीण राजमिस्त्री अर्हता पैक (क्यू0पी0) के अनुसार दिया गया है।

आयुक्त, ग्राम्य विकास जी0एस0 प्रियदर्शी द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के निर्माण के परिप्रेक्ष्य में 45 हजार राजमिस्त्रियों(पुरूष) व करीब 7017 महिला मिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रदेश में 36.56 लाख आवास आवंटित किए गए हैं, जिनमें 36.34 लाख पूर्ण हो गये हैं। पूर्णता की स्थिति लगभग 99.39 प्रतिशत है।

दहेज की मांग को ....

घटना को अंजाम दिया। आरोप है कि सास दया ने अपने हाथ में ज्वलनशील पदार्थ लिया और विपिन को पकड़ाया। विपिन ने पीड़ित की बहन निक्की के ऊपर डाल दिया। साथ ही बहन के गले पर हमला किया।

बर्बरता से उसे पीटा गया। जिसके बाद उनकी बहन बेहोश हो गई। आरोपियों ने उसे जिंदा जला दिया। उसने बहन को बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उसकी एक न सुनी। कंचन ने इसका विरोध किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। इसी दौरान कंचन ने मारपीट और आग लगाते हुए आरोपियों का वीडियो बना लिया।

आनन-फानन निक्की को इलाज के लिए पहले फोर्टिस फिर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी मौत हो गई थी। आरोप है कि घटना के वक्त कंचन का पति रोहित भाटी और ससुर सत्यवीर भी मौके पर मौजूद थे। कंचन की शिकायत पर पुलिस ने नामजद चार आरोपियों के खिलाफ हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया है।

मृतका के पति को हिरासत में लिया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही अन्य की गिरफ्तारी की जाएगी। मृतका के परिजन और अन्य व्यक्ति विवेचना में अच्छी तरह कार्रवाई कराए जाने व कार्रवाई में कोई कमी न किए जाने की मांग को लेकर थाना कासना पर आए थे। सभी लोग वार्ता के बाद थाना से वापस चले गए।

पुलिस एनकाउंटर में ....

पुलिस ने निक्की के पति विपिन के अलावा उसके जेठ तथा सास ससुर को भी मुख्य आरोपी बनाया है। पुलिस ने आज उसके पति को गिरफ्तार कर लिया है। विपिन ने अपनी मासूम बच्चे के सामने पत्नी निक्की की आग लगाकर हत्या कर दी थी तथा फरार हो गया था।

हाईवे पर बलात्कार की ....

जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक महिला के सिर, हाथ और नाक की हड्डी टूटी है। इसके अलावा भी कई गंभीर चोट हैं।

एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि आरोपी चालक को तलाश किया जा रहा है। हाईवे के सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

बस-एम्बुलेंस की टक्कर में छह लोगों की मौत, मुख्यमंत्री मरियम ने जताया शोक

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले में एक यात्री बस और एम्बुलेंस की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार रेस्क्यू कर्मी शामिल हैं। गुरुवार को हादसा तब हुआ जब बस ने एक मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही रेस्क्यू वाली गाड़ी 1122 एम्बुलेंस को टक्कर मार दी। चार रेस्क्यू कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए। दो घायलों की हालत गंभीर है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने हादसे पर दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की।

डेल्टा और यूनाइटेड एयरलाइंस पर धोखा देने का केस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इस हफ्ते न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में डेल्टा एयरलाइंस और यूनाइटेड एयरलाइंस के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने खिड़की वाली सीट बताकर यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूले, जबकि कई सीटों के पास खिड़की थी ही नहीं सिर्फ दीवार थी। यह मुकदमे न्यूयॉर्क की एक कानून फर्म ने दर्ज किए हैं और ये सामूहिक मुकदमे हैं, यानी कोई भी यात्री जिसने ऐसी सीट बुक की हो, इस केस का हिस्सा बन सकता है। कानून फर्म ने कहा कि हमें बहुत सारे लोगों ने संपर्क किया है जो खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और इस केस से जुड़ना चाहते हैं। जब लोग खिड़की के लिए पैसे देते हैं, तो उन्हें खिड़की मिलनी भी चाहिए। डेल्टा और यूनाइटेड दोनों एयरलाइंस ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है क्योंकि केस कोर्ट में चल रहा है।

शट्टा वेले अमेरिकी धोखाधड़ी केस की जांच में गिरफ्तार, बाद में मिली जमानत

अक्रा, एजेंसी। घाना के मशहूर सिंगर शट्टा वेले को अमेरिका में चल रहे एक धोखाधड़ी मामले से जुड़े जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया गया। यह मामला उनकी 2019 मॉडल की लग्जरी कार लेम्बोर्गिनी उरुस से जुड़ा हुआ है। घाना की आर्थिक और संगठित अपराध कार्यालय ने बताया कि शट्टा वेले खुद बुधवार को पूछताछ के लिए पेश हुए थे। यह पूछताछ अमेरिका सरकार की ओर से आए अनुरोध पर हो रही है। उन्हें गुरुवार को जमानत पर छोड़ दिया गया। जांच एक 4 मिलियन डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपये) की धोखाधड़ी से जुड़ी है, जो अमेरिका में कुछ घानावासियों द्वारा की गई थी। इस धोखाधड़ी में कमाई गई रकम से खरीदी गई चीजों का पता लगाया जा रहा है। इस केस का मुख्य आरोपी नाना क्वाबेना अमुआह है, जिसे 2023 में अमेरिका की अदालत ने 7 साल की सजा दी थी। उस पर आरोप था कि उसने लेक्सिंगटन, केंटकी शहर को गैर-लाभकारी संगठनों के नाम पर धोखा देकर पैसे ठग लिए।

फलस्तीनी गुटों ने हथियार सौंपने की प्रक्रिया शुरू की, लेबनानी सेना को सौंपी पहली खेप

बेरूत, एजेंसी। बेरूत के पास एक फलस्तीनी शरणार्थी कैंप में मौजूद कुछ फलस्तीनी गुटों ने गुरुवार को अपने पास रखे हथियार लेबनानी सेना को सौंपने की शुरुआत की। यह कदम उन योजनाओं का हिस्सा है जो तीन महीने पहले घोषित की गई थी, जिसके तहत इन कैंपों से हथियार हटाए जाने हैं। पहले दिन एक छोटी सी शुरुआत हुई, एक पिकअप ट्रक कैंप से निकला जिसमें बैगों में बंद हथियार रखे थे। कुछ बैगों से मशीन गनों के पिछले हिस्से और रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड्स झांकते हुए दिखाई दिए। इस योजना की घोषणा मई में उस समय हुई थी जब फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने लेबनान का दौरा किया था। उन्होंने और लेबनान के राष्ट्रपति जोसफ आउन ने मिलकर कहा था कि हथियारों का नियंत्रण अब लेबनानी सरकार के पास होगा। लेकिन अभी तक सभी फलस्तीनी गुट इस फैसले से सहमत नहीं हैं। हमास और उससे जुड़े गुट पैलेस्टीनियन इस्लामिक जिहाद ने इस पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है। हमास की ओर से एक बयान आया जिसमें कहा गया कि गुरुवार को हथियार सौंपना फतह संगठन का आंतरिक मामला है और इसका फलस्तीनी कैंपों में मौजूद हथियारों से कोई लेना-देना नहीं है।

भारत पर टैरिफ लगाने और चीन को बचाने पर ट्रंप को विशेषज्ञों की चेतावनी

कहा- संबंधों पर पड़ेगा प्रभाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने पर विशेषज्ञों ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस से तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाने और चीन को बचाने से अमेरिका को ही नुकसान हो सकता है। भारत पर टैरिफ लगाने से दोनों देशों के संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। भू-राजनीति और आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के खिलाफ इस हमले का भारत-अमेरिका संबंधों पर दूरगामी और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप की सहयोगी निक्की हेली ने एक लेख में कहा कि चीन को पछाड़ने के अमेरिकी विदेश नीति के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को पटरी पर लाने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ और नहीं है। भारत से मूल्यवान स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार की तरह

व्यवहार किया जाना चाहिए, न कि चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी की तरह। एशिया में चीनी प्रभुत्व के प्रतिकार के रूप में काम करने वाले एकमात्र देश के साथ 25 वर्षों की गति को रोकना एक रणनीतिक आपदा होगी। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका को अपनी महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन से दूर ले जाने में मदद करने के लिए आवश्यक है और यह स्वतंत्र विश्व की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति है। जबकि ट्रंप प्रशासन विनिर्माण को अमेरिका में वापस लाने के लिए काम कर रहा है। भारत उन उत्पादों के लिए चीन जैसे पैमाने पर विनिर्माण करने की क्षमता के मामले में अकेला है, जिनका उत्पादन यहां शीघ्रता से या कुशलता से नहीं किया जा सकता है, जैसे कि कपड़ा, सस्ते फोन और सौर पैनल। हेली ने कहा कि चीन के विपरीत लोकतांत्रिक भारत का उदय स्वतंत्र विश्व के लिए खतरा नहीं है और इसलिए भारत की शक्ति बढ़ने के साथ ही चीन की महत्वाकांक्षाएं कम होनी होंगी।

भू-राजनीतिक विशेषज्ञ फरीद जकारिया ने अमेरिका भारत संबंधों को खराब करने के लिए ट्रंप की आलोचना की। जकारिया ने कहा कि ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए दंडात्मक टैरिफ अमेरिका की सबसे बड़ी विदेश नीति गलती थी। अगर ट्रंप अपना रुख बदल भी देते हैं, तो भी नुकसान हो चुका है। भारत का मानना है कि अमेरिका ने अपना असली रंग दिखा दिया है। वह अविश्वसनीय है और जिसे वह अपना दोस्त कहता है, उसके साथ क्रूरता करने को तैयार है। भारत को लगेगा कि उसे अपनी बाजी सुरक्षित रखनी होगी। रूस के साथ नजदीकी बनाए रखें और चीन के साथ सुलह करें।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ट्रंप के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिक्स के महान एकीकरणकर्ता हैं। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विदेश नीति में सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम कहा। वरिष्ठ अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने भी भारत पर टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि टैरिफ से वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच मजबूत साझेदारी बनाने के लिए दो दशकों से अधिक समय से किए जा रहे सावधानीपूर्वक कार्य को खतरा है। हमारे बीच गहरे रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंध हैं। चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप पारस्परिक सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

अफ्रीकी देश गिनी में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत, 10 घायल

कोनाक्री , एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री से 50 किलोमीटर दूर कोयाह प्रांत में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार भूस्खलन बुधवार रात कोयाह प्रांत के ग्रामीण क्षेत्र मानेह में हुआ। स्थानीय निवासी कोने पेपे ने बताया, ''कल शाम करीब सात बजे बारिश हो रही थी। मैंने देखा कि अचानक पहाड़ टूटकर तलहटी में बने घरों पर गिर गया। इसके मलबे में घर दफन हो गए। कोई भी जीवित नहीं बचा।'' खोज और बचाव अभियान बृहस्पतिवार देर रात तक जारी रहा। शहरी नियोजन एवं आवास मंत्री मोरी कोंडे ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा, ''बारिश के कारण पहाड़ का एक हिस्सा ढह गया और इमारतों पर गिर गया।''

भारतीय की लापरवाही से हुई दुर्घटना, अमेरिका ने सभी विदेशी ट्रक ड्राइवरों का वीजा रोका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार ने विदेशी ट्रक ड्राइवरों को वीजा देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को इसका एलान कर दिया। दरअसल अमेरिका में एक भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद अमेरिका में विदेशी ट्रक ड्राइवरों के खिलाफ माहौल बन गया है और इस घटना ने राजनीतिक रंग ले लिया है। मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तत्काल प्रभाव से कमर्शियल ट्रक ड्राइवरों को जारी होने वाले वीजा पर रोक लगाई जाती है। अमेरिका की सड़कों पर विदेशी ट्रक ड्राइवरों की संख्या बढ़ती जा रही है और ये ट्रक और ट्रेलर चालक अमेरिकी लोगों की जान खतरे में डाल रहे हैं और साथ ही अमेरिकी ट्रक चालकों की आजीविका में भी सेंध लगा रहे हैं।

भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुआ हादसा: दरअसल फ्लोरिडा के राजमार्ग पर एक भारतीय ट्रक ड्राइवर ने गलत तरीके से यू-टर्न लिया, जिससे एक कार ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। आरोपी ट्रक ड्राइवर की पहचान हरजिंदर सिंह के रूप में हुई है, जो मेक्सिको के जरिए अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था। संघीय अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ट्रक ड्राइवर अंग्रेजी परीक्षण में भी असफल रहा। अमेरिका में इस मामले की काफी चर्चा हो रही है क्योंकि यह घटना फ्लोरिडा में हुई, जो सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ है। साथ ही रिपब्लिकन पार्टी का अवैध अप्रवासियों पर रुख सख्त रहा है।

मनी लॉड्रिंग मामले में घिरे ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति पुलिस ने लगाए 50 लाख डॉलर के लेनदेन के आरोप

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉड्रिंग मामले में घिर गए हैं। पुलिस ने उन पर मार्च 2023 और फरवरी 2024 के बीच 50 लाख डॉलर का लेनदेन करने के आरोप लगाए हैं। वहीं बोल्सोनारो ने कहा कि राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। बोल्सनारो एक जनवरी, 2019 से 31 दिसंबर, 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे। उन पर तख्तापलट की साजिश करने का भी आरोप है। इस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों का एक पैनल सजा सुनाएगा। वे दो से 12 सितंबर के बीच अपना फैसला सुनाएंगे। अगर अटॉर्नी जनरल उन पर न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाने का निर्णय लेते हैं तो पूर्व राष्ट्रपति को एक और मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। बोल्सनारो पर आरोप है कि उनको 30 मिलियन से अधिक ब्राजीलियन रीसिस (5 मिलियन डॉलर) प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश बिना किसी स्पष्ट औचित्य के थे तथा उस अवधि के दौरान लगभग इतनी ही राशि के डेबिट भी प्राप्त हुए। दस्तावेजों के मुताबिक लगभग दो करोड़ रियाल (3.48 मिलियन डॉलर) कथित तौर पर पीआईएक्स नामक 12 लाख से अधिक लेनदेन से आए। बोल्सोनारो ने इस दौरान निवेश पर भी इतनी ही राशि खर्च की। दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि पूर्व राष्ट्रपति ने वायर ट्रांसफर, जमा पर्चियों के भुगतान,

निकासी और विनिमय कार्यों पर भी पैसा खर्च किया। ब्राजील पुलिस ने कहा है कि बोल्सोनारो और उनके बेटे एडुआर्डो ने वित्तीय संसाधनों के स्रोत और गंतव्य को छिपाने के लिए कई पैंतरेबाजी की। इसका उद्देश्य विदेश में रहने वाले सांसद (एडुआर्डो बोल्सोनारो) की अवैध प्रकृति की गतिविधियों को वित्तपोषित करना और उनका समर्थन करना था। पुलिस जांच यह भी खुलासा हुआ कि बोल्सोनारो ने पिछले साल अर्जेंटीना में राजनीतिक शरण लेने पर विचार किया था और एहतियाती उपायों के बावजूद हाल के हफ्तों में उन्होंने सहयोगियों के साथ संवाद जारी रखा, जिसके कारण अब उन्हें नजरबंद होना पड़ रहा है। मामले की देखरेख कर रहे न्यायमूर्ति एलेक्जेंडर डी मोरेस ने बुधवार देर रात बोल्सोनारो के वकीलों से कहा कि उनके पास यह बताने के लिए 48 घंटे का समय है कि पूर्व राष्ट्रपति अपने घर में नजरबंदी के आदेश के लिए निर्धारित उपायों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? बोल्सोनारो के वकीलों ने उस मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया। वकीलों ने कहा कि किसी भी एहतियाती उपाय का कभी भी उल्लंघन नहीं किया गया था। साथ ही वे संघीय पुलिस द्वारा उन पर औपचारिक रूप से न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाने के निर्णय से आश्चर्यचकित हैं। बोल्सोनारो के एक वकील ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने कभी भी अर्जेंटीना में राजनीतिक शरण लेने पर गंभीरता से विचार नहीं किया। पाउलो कुन्हा ब्यूनो ने बताया कि बोल्सोनारो को उनके खिलाफ जांच के दौरान हर तरह के सुझाव मिले। किसी ने उन्हें फरवरी 2024 में शरण का अनुरोध भेजा था। वह जा सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

सुप्रीम कोर्ट ने जब्त किया पासपोर्ट

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने 8 फरवरी, 2024 को बोल्सोनारो का पासपोर्ट जब्त कर लिया था। न्यायाधीश डी मोरेस ने सभी अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति के भाग जाने का खतरा माना जा रहा है। वहीं बोल्सोनारो ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति को दिए 33 पन्नों के एक दस्तावेज में दावा किया है कि ब्राजील में उनका राजनीतिक उत्पीड़न हो रहा है। दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं। माइली के प्रवक्ता मैनुअल एडोर्नी ने कहा कि अर्जेंटीना सरकार को अभी तक कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ है।

पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को बड़ी राहत, शाही परिवार को बदनाम करने के मामले में किए गए बरी

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को शाही मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। पूर्व पीएम शिनावात्रा ने कहा कि शुक्रवार को एक अदालत ने उन्हें मानहानि के मामले में बरी कर दिया। उनके वकील ने भी फैसले की पुष्टि की। हालांकि बैंकॉक आपराधिक न्यायालय ने कोई बयान जारी नहीं किया है। पिछले साल पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया था। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। थाकसिन पर मूल रूप से 2016 में लेसे मैजेस्टे कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने एक साल पहले दक्षिण कोरिया के सियोल में पत्रकारों से बात करते हुए टिप्पणी की थी। हालांकि थाकसिन ने आरोपों से इनकार किया था और खुद का बचाव करते हुए एक बयान जारी किया था। थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को

लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। इसी कानून के उल्लंघन के आरोप में थाकसिन पर केस दर्ज कराया गया था। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनावात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है। तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किए जाने के बाद उनपर प्रतिबंध भी लगाया गया था। वहीं थाकसिन ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया था।

साल 2008 में लगा था भ्रष्टाचार का आरोप

दो बार थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके थाकसिन एक अरबपति नेता हैं, जो अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं। थाकसिन ने साल 2001 से 2006 तक थाईलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। हालांकि, साल 2006 के सैन्य तख्तापलट में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। साल 2008 में थाकसिन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह थाईलैंड छोड़कर भाग गए थे और करीब 15 साल के आत्म-निर्वासन बाद, पिछले साल अगस्त में वापस अपने देश आ गए, जिसके बाद उन्हें उनके आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। उन्होंने अपनी सजा का पूरा समय पुलिस के अस्पताल में बिताया, जिसके बाद विरोधियों ने उन पर विशेषाधिकार होने का भी आरोप लगाया है। थाकसिन को अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में आठ साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद ही थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने शाही माफी दे दी, जिसके बाद उनकी सजा आठ साल से घटाकर एक साल कर दी गई थी।

पूर्व पीएम इमरान खान का भांजा लाहौर से अगवा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में इन दिनों सियासी पारा अपने चरम पर है। कारण है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने कहा भांजे शाहरेज खान को अगवा किए जाने का आरोप लगाया है। शाहरेज, इमरान की बहन अलीमा खान के बेटे हैं। पार्टी के वकील राणा मुदस्सर उमर ने बताया कि अब तक किसी भी केस में शाहरेज का नाम नहीं आया है और न ही वे राजनीति से जुड़े हैं। गुरुवार को उन्होंने अपने आरोप में कहा कि शाहरेज खान को लाहौर स्थित उनके घर से सादे कपड़े पहनकर आए लोगों ने अगवा कर लिया। पार्टी के मुताबिक शाहरेज ऑस्ट्रेलिया की एक बड़ी लिनेन कंपनी के रीजनल हेड और ट्रायथलीट हैं। उन्हें घर से जबरन उठाया गया। घरेलू सहायकों के साथ मारपीट हुई और शाहरेज को उनके दो बच्चों के सामने प्रताड़ित भी किया गया। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि एक दिन पहले उन्हें अपनी पत्नी के साथ लाहौर एयरपोर्ट से यात्रा करने से रोका गया था। उन्हें जबरन फ्लाइट से उतार दिया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने की घटना की निंदा : इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने शाहरेज की तत्काल रिहाई की मांग की। इमरान की बहन अलीमा खान देश की सेना और अधिकारियों की आलोचना के लिए अक्सर सुर्खियों में रहीं हैं। बता दें कि इमरान खान बीते करीब दो साल से (अगस्त, 2023 से) जेल में बंद हैं। उन्होंने अपनी पार्टी से कहा था कि जेल में उनके साथ कुछ भी गलत होने पर सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए। गौरतलब है कि गुरुवार को ही देश की सुप्रीम कोर्ट ने 9 मई को हुई हिंसा से जुड़े आठ मामलों में इमरान खान को जमानत देने का फैसला भी सुनाया।

एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल का लंदन में निधन

94 की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन, एजेंसी। प्रमुख एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल का बृहस्पतिवार शाम (स्थानीय समयानुसार) लंदन में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वह 94 साल के थे। हाल ही में बीमार पड़ने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में अंतिम सांस ली। ब्रिटेन स्थित कैपारो ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक पॉल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ था। 1960 के दशक में वह अपनी छोटी बेटी अंबिका के कैंसर के इलाज के लिए ब्रिटेन गए थे। लेकिन बेटी की चार साल की उम्र में मृत्यु हो गई, जिसके बाद पॉल ने एक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में अंबिका पॉल फाउंडेशन की स्थापना की। इस संस्था ने शिक्षा और स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से दुनिया भर के बच्चों और युवाओं के कल्याण के लिए लाखों डॉलर का दान किया।

2015 में बेटा और 2022 में पत्नी को खोया

पिछले महीने लंदन के अंबिका पॉल चिल्ड्रन्स जू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लॉर्ड पॉल ने कहा था कि यह वह जगह है, जहां अंबिका सबसे ज्यादा खुश रहती थीं। लॉर्ड पॉल ने अपने जीवन में बहुत दुख देखे। उन्होंने 2015 में अपने बेटे अंगद पॉल को खोया और 2022 में पत्नी अरुणा को। उनकी याद में वे लगातार परोपकारी काम करते रहे थे।

पत्नी की याद में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का किया था उद्घाटन

फरवरी 2023 में, लंदन के ऐतिहासिक इंडियन जिमखाना क्लब में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का उद्घाटन करते हुए लॉर्ड पॉल ने कहा, यह हॉल मेरी अद्भुत पत्नी को श्रद्धांजलि है। मुझे उनकी बहुत याद आती है। हमारे 65 साल के वैवाहिक जीवन में हमने कभी झगड़ा नहीं किया।

संडे टाइम्स रिच लिस्ट में नियमित शामिल होते रहे हैं लॉर्ड पॉल

लॉर्ड पॉल संडे टाइम्स रिच लिस्ट में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं। इस साल उनकी संपत्ति लगभग 2 बिलियन पाउंड आंकी गई और उन्हें 81वें स्थान पर रखा गया। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा बहुराष्ट्रीय कंपनी कैपारो समूह से आता है, जो स्टील और इंजीनियरिंग का बड़ा बिजनेस है। कैपारो समूह का मुख्यालय लंदन में है और यह 40 से ज्यादा जगहों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करता है, जिसका संचालन यूके, उत्तरी अमेरिका, भारत और मध्य पूर्व में स्थित है। उनके बेटे आकाश पॉल कैपारो इंडिया के अध्यक्ष और कैपारो समूह के निदेशक हैं।

कराची में गोदाम में धमाके से दो की मौत, 33 घायल

पटाखों के कच्चे माल से हुआ बड़ा हादसा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां कराची के भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित ताज मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास गुरुवार को एक गोदाम में जोरदार धमाका हो गया। हादसे में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है और 33 लोग घायल हुए हैं। मामले में पाकिस्तान की आधिकारिक बचाव-खतरा आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, धमाका एक तीन मंजिला इमारत के बेसमेंट में हुआ जहां पटाखे बनाने का कच्चा माल रखा गया था। ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहते थे। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने और फिर ज्वलनशील पदार्थ की वजह से धमाका होने की बात सामने आई है। बता दें कि हादसे में 20 घायल जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर में भर्ती हैं, जिनमें 2 की हालत नाजुक है। 14 घायल सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में हैं। बाद में घटनास्थल से 16 साल के एक लड़के की लाश मिली और एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

सीटीडी ने बताया विस्फोटक

वहीं इस धमाका को लेकर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अधिकारी राजा उमर खताब ने बताया कि वहां केवल पटाखों का नहीं बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी। उन्होंने कहा कि इस इलाके से पहले भी दो टन विस्फोटक बरामद हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, सिंध में पटाखों की कोई वैध फैक्ट्री नहीं है और यह गोदाम अवैध रूप से रिहायशी इलाके में चल रहा था। धमाके से इमारत को भारी नुकसान हुआ, आसपास की गाड़ियों पर कंक्रीट के टुकड़े गिर गए और आसपास की खिड़कियां भी टूट गईं। आग बुझाने के लिए 12 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगाई गईं। वहीं सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने सभी घायलों को तुरंत इलाज दिलाने के निर्देश दिए और घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

नॉर्थ जोन कप्तान गिल का दलीप ट्रॉफी में खेलना मुश्किल

ब्लड टेस्ट के बाद बीसीसीआई को रिपोर्ट सौंपी गई; 28 सितंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद गिल को नार्थ जोन का कप्तान नियुक्त किया गया था। हालांकि हाल ही में हुए ब्लड टेस्ट के बाद फिजियो ने उनकी रिपोर्ट बीसीसीआई को भेजी और सलाह दी कि गिल दलीप ट्रॉफी में हिस्सा न लें। शुभमन गिल फिलहाल छुट्टियां मना रहे हैं। इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की थीं।

फिलहाल छुट्टियां मना रहे गिल

अभिषेक त्रिपाठी, जागरण नई दिल्ली। एशिया कप 2025 से पहले घरेलू क्रिकेट का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी शुरू होने वाला है। इस प्रतियोगिता में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को नार्थ जोन की कमान सौंपी गई थी। लेकिन अब खबर है कि वह इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद गिल को नार्थ जोन का कप्तान नियुक्त किया गया था। हालांकि, हाल ही में हुए ब्लड टेस्ट के बाद फिजियो ने उनकी रिपोर्ट बीसीसीआई को भेजी और सलाह दी कि गिल दलीप ट्रॉफी में हिस्सा न लें। फिलहाल, गिल छुट्टियां मना रहे हैं और उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर अपनी तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें वह याट पर नजर आ रहे हैं।

28 अगस्त से मुकाबले की शुरुआत

दलीप ट्रॉफी का आगाज 28 अगस्त से होगा। गिल की अगुवाई में नार्थ जोन की टीम का मुकाबला बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में ईस्ट जोन से होना है। मैच सुबह 9:30 बजे शुरू होगा। अगर गिल नहीं खेलते हैं तो टीम की कमान उप-कप्तान अंकित कुर संभाल सकते हैं। हालांकि, इस पर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चार या पांच सितंबर को रवाना होगी भारतीय टीम

भारत की नजर अब एशिया कप 2025 पर होगी, जिसकी शुरुआत 9 सितंबर से दुबई में होगी। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेला जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय टीम चार या पांच सितंबर को दुबई रवाना होगी। ऐसे में, भले ही नार्थ जोन की टीम दलीप ट्रॉफी में आगे बढ़े तो भी गिल उपलब्ध नहीं रहेंगे। एशिया कप में गिल को उप-कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है।

पीयूष चावला सहित 13 भारतीय खिलाड़ियों ने विदेशी लीग के लिए दिया नाम, बेस प्राइस काफी ज्यादा

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। 9 सितंबर को एक विदेशी लीग की नीलामी होने वाली है। इसमें पीयूष चावला समेत 13 भारतीय खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पीयूष चावला ने इस नीलामी के लिए अपना बेस प्राइस काफी ऊंचा रखा है।

अब भारतीय क्रिकेटरों के लिए आईपीएल ही नहीं, बल्कि विदेशी लीगों में भी खेलने के मौके बढ़ रहे हैं। इस बार साउथ अफ्रीका की मशहूर टी20 लीग एसए20 के चौथे सीजन के लिए 13 भारतीय खिलाड़ियों ने अपना नाम दर्ज कराया है। स्टार स्पिनर पीयूष चावला (का नाम भी इस लिस्ट में है। ऑक्शन 9 सितंबर को जोहान्सबर्ग में होगी, जिसमें कुल 784 खिलाड़ी अपनी किस्मत आजमाएंगे।

आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नियमों के अनुसार, भारतीय खिलाड़ी विदेशी लीग में तभी खेल सकते हैं जब उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो या आईपीएल और टीम इंडिया में चयन के लिए अपनी दावेदारी छोड़ दी हो। यही वजह है कि अब तक विदेशी लीग में वही खिलाड़ी नजर आए हैं जिन्होंने भारतीय क्रिकेट से दूरी बना ली है।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए इस लीग में न्यूनतम बेस प्राइस करीब 10 लाख रुपए (200,000 रैंड) तय किया गया है। लेकिन सबसे ज्यादा रिजर्व प्राइस पियूष चावला का है, जो लगभग 50 लाख रुपए (1 मिलियन रैंड) रखा गया है। वहीं, एक और भारतीय खिलाड़ी इमरान खान का बेस प्राइस करीब 25 लाख रुपए (500,000 रैंड) है। बाकी सभी खिलाड़ियों का दाम एक जैसा रखा गया है।

ऑक्शन में दांव पर है बड़ी रकम

जोहान्सबर्ग में होने वाले इस ऑक्शन में 6 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। इनके पास कुल 7.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 61 करोड़ रुपए) की राशि होगी, जिससे उन्हें 84 स्लॉट भरने हैं। लीग ने इस बार एक नया नियम भी लागू किया है, जिसके तहत हर टीम को एक "वाइल्डकार्ड खिलाड़ी" चुनने की अनुमति होगी। इस खिलाड़ी का पेमेंट सैलरी कैप से बाहर रहेगा, यानी टीमों को लचीलापन मिलेगा।

13 खिलाड़ियों की लिस्ट

पियूष चावला (यूपीसीए), सिद्धार्थ कौल (पंजाब), अंकित राजपूत (यूपीसीए), निखिल जगा (राजस्थान), मोहम्मद फैज़, केएस नवीन (तमिलनाडु), अंसारी मारूफ, महेश आहिर (गुजरात), सरुल कंवर (पंजाब), अनुरित सिंह (दिल्ली), इमरान खान (यूपीसीए), वेंकटेश गलीपल्ली और अतुल यादव (यूपीसीए)

दिनेश कार्तिक ने खेला है एसए20

भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो अब तक सिर्फ दिनेश कार्तिक ही इस एसए20 लीग में हिस्सा ले पाए हैं। उन्होंने पिछले सीजन में पार्ल रॉयल्स के लिए खेला था। उस समय तक वे इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल दोनों से संन्यास ले चुके थे। उन्होंने 11 एसए20 मैचों में 130 रन बनाए हैं। जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं ले रहे संन्यास

बीसीसीआई ने दी खुशखबरी

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के दौरान भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लेकर सबको चौंका दिया था. अब इन दोनों खिलाड़ियों के वनडे से भी संन्यास लेने की खबरें आ रही हैं, लेकिन इस पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का कहना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी रिटायरमेंट लेने नहीं जा रहे हैं. वो अभी टीम इंडिया की ओर से खेलते हुए नजर आएंगे. इन दोनों का वनडे में काफी शानदार रिकॉर्ड है.

राजीव शुक्ला ने क्या कहा?

यूपी टी20 लीग के दौरान एक टॉक शो में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट से संन्यास की चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि दोनों अभी वनडे में खेलते रहेंगे. टॉक शो के दौरान एक एंकर ने राजीव शुक्ला ने पूछा कि क्या विराट कोहली और रोहित शर्मा को सचिन तेंदुलकर की तरह विदाई मिलेगी?

इस पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने सवाल किया कि लोग दोनों खिलाड़ियों को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं? जबकि वे अभी भी वनडे खेल रहे हैं. राजीव शुक्ला ने कहा, "उन्होंने कब संन्यास लिया? रोहित शर्मा और विराट कोहली, दोनों अभी भी वनडे रहे हैं, तो अगर वे अभी भी खेल रहे हैं तो विदाई की बात अभी क्यों हो रही है? आप लोग अभी से चिंता क्यों कर रहे हैं?"

किसी खिलाड़ी को संन्यास लेने के लिए नहीं कहता बीसीसीआई

राजीव शुक्ला ने आगे कहा कि बीसीसीआई कभी किसी खिलाड़ी को संन्यास लेने के लिए नहीं कहता. ये फैसला उन्हें ही लेना होता है. बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने कहा, "हमारी नीति बिल्कुल स्पष्ट है. बोर्ड कभी किसी खिलाड़ी को रिटायरमेंट लेने के लिए नहीं कहता. उसे अपना फैसला खुद लेना होता है".

'अभी बहुत फिट हैं विराट कोहली'

टॉक शो के दौरान राजीव शुक्ला ने कहा कि टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अभी भी सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक हैं और रोहित शर्मा एक बेहतरीन वनडे खिलाड़ी हैं. उन्होंने फैंस से कहा कि वे इन दोनों खिलाड़ियों के विदाई के बारे में न सोचें. जब वो समय आएगा तो हम आपको बताएंगे कि ये कैसे करना है? आप लोग अभी से विदाई की बात कर रहे हैं, जबकि कोहली अभी बहुत फिट हैं और वो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. रोहित शर्मा बहुत अच्छा खेल रहे हैं. आप लोग बेवजह उनकी विदाई को लेकर चिंतित हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी करेंगे दोनों खिलाड़ी

विराट कोहली और रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली वनडे सीरीज में खेलेंगे. T20I और टेस्ट से रिटायरमेंट लेने के बाद उनके वनडे से संन्यास लेने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से चल रही हैं. कुछ लोगों का कहना था कि ऑस्ट्रेलिया दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी दौरा हो सकता है. हालांकि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने ट्रेनिंग शुरू करके इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक BCCI इस मामले को लेकर शांत है और इन स्टार बल्लेबाजों के फ्यूचर पर फैसला लेने की जल्दी में नहीं है.

इमरान ताहिर ने टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

46 साल की उम्र में ऐसा करने वाले बने दुनिया के पहले खिलाड़ी

खेल डेस्क, 24 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज में इन दिनों कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 खेली जा रहा है। जिसका 9वां मैच गुयाना अमेजन वॉरियर्स-एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स के बीच खेला गया। इस मैच को गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने 83 रनों से अपने नाम कर लिया था। इस मैच में गुयाना अमेजन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर ने कमाल की गेंदबाजी का नजारा पेश किया और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके उन्होंने टी20 क्रिकेट में इतिहास भी रच दिया।

इमरान ताहिर ने रचा इतिहास

इस मैच में गुयाना अमेजन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर विपक्षी टीम पर अकेले भारी पड़ते हुए दिखाई दिए। मैच में खतरनाक गेंदबाजी करते हुए इमरान ताहिर ने 4 ओवर में महज 21 रन देकर 5 विकेट चटकाए। इमरान ताहिर अब 46 साल की उम्र में कप्तान के रूप में टी20 क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। इसके अलावा टी20 क्रिकेट में इमरान 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाने वाले दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं।

ऐसा रहा मैच का हाल

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इमरान ताहिर की टीम गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 211 रन बनाए थे। इस दौरान गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए शाई होप ने 54 गेंदों पर सबसे ज्यादा 82 रनों की पारी खेली थी, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इसके अलावा शिमरोन हेटमायर ने 26 गेंदों पर 65 रनों की पारी खेली थी, इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 5 छक्के निकले थे।

इसके बाद 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स की टीम 15.2 ओवर में 128 रनों पर ही ढेर हो गई थी। एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए करिमा ने सबसे ज्यादा 31 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा टीम के 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए थे।

बीसीसीआई ने बदल डाला घरेलू क्रिकेट का फॉर्मेट

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट के फॉर्मेट को बदलने का फैसला किया है। जिसको लेकर 22 अगस्त को एक मीटिंग भी हुई। अब घरेलू वनडे टूर्नामेंटों में प्लेट ग्रुप सिस्टम देखने को मिलेगा। इस बार के नए घरेलू क्रिकेट सीजन में ये बदलाव देखने को मिलने वाले हैं, जिसकी शुरुआत दलीप ट्रॉफी से होगी। दलीप ट्रॉफी 2025 का आगाज 28 अगस्त से होने जा रहा है।

ये हुआ सबसे बड़ा बदलाव

घरेलू क्रिकेट में हुए बदलाव के बाद अब सभी टूर्नामेंटों में टीमें 4 एलीट और 1 प्लेट ग्रुप में खेलती हुई दिखाई देंगी। सबसे नीचे की 6 टीमें अब प्लेट ग्रुप में होंगी। इससे पहले देखा जाता था कि हर सीजन में प्लेट ग्रुप से 2 टीमें ही ऊपर जाती थी, जबकि 2 टीमें नीचे आती थी। जिसके बाद अब 1 टीम प्रमोट या रिलिगेट होती हुई दिखाई देगी।

ये हुए बदलाव

प्लेट ग्रुप सिस्टम के तहत वनडे और टी20 टूर्नामेंटों पिछले सीजन की सबसे नीचे की 6 टीमें प्लेट ग्रुप में होंगी।

दलीप ट्रॉफी और सीनियर महिला चैलेंजर टूर्नामेंट में 6 जोनल टीमों के आधार पर खिलाड़ियों का सिलेक्शन होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और सीनियर महिला टी20 टूर्नामेंट में अभी तक नॉकआउट मुकाबले देखने को मिलते थे, लेकिन अब यहां सुपर लीग स्टेज मुकाबले होंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी, सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी और पुरुष अंडर-23 स्टेट ट्रॉफी में 4 एलीट ग्रुप और 1 प्लेट ग्रुप मॉडल देखने को मिलेगा। इसके अलावा जूनियर और महिला टूर्नामेंटों में 5 एलीट और 1 प्लेट मॉडल देखने को मिलेगा।

क्या है इन बदलाव का मकसद?

भारत में घरेलू क्रिकेट सीजन की शुरुआत 28 अगस्त से दलीप ट्रॉफी के साथ होगी, इसके अलावा ये घरेलू सीजन 3 अप्रैल 2026 को सीनियर महिला अंतर-क्षेत्रीय बहु-दिवसीय ट्रॉफी तक चलेगा। इन बदलावों का जरिए बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को और ज्यादा बेहतर करना चाहता है, जिसके चलते हर स्तर की टीमों का प्रदर्शन निखर सके और अच्छे-अच्छे खिलाड़ी सामने आ सके।

बांग्लादेश ने एशिया कप के लिए टीम घोषित की

मेहदी हसन मिराज को जगह नहीं, नुरुल और सैफ हसन को मौका; लिट्टन दास कप्तान

ढाका, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 के लिए लिटन दास की कप्तानी में टीम की घोषणा कर दी है। टीम में नुरुल हसन की तीन साल बाद वापसी हुई है, जबकि सैफ हसन भी डेढ़ साल बाद टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं।

लिटन दास की कप्तानी में उतरेगी बांग्लादेश की टीम

नई दिल्लीः भारत और पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश ने भी एशिया कप 2025 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। लिटन दास की कप्तानी में 16 खिलाड़ियों की टीम चुनी गई है। बांग्लादेश को टूर्नामेंट के ग्रुप बी में रखा गया है। उसके साथ श्रीलंका, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग की टीम है। बांग्लादेश की टीम शानदार फॉर्म में चल रही है। टीम ने पिछली दो सीरीज में पाकिस्तान और श्रीलंका को हराया था।

नुरुल और हसन की वापसी

एशिया कप की टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज नुरुल हसन को शामिल किया गया है। नुरुल ने तीन साल पहले अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था। उनके साथ सैफ हसन भी डेढ़ साल के अंतराल के बाद इस फॉर्मेट की टीम में वापसी कर रहे हैं। नुरुल हसन को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्होंने बांग्लादेश ए टीम के लिए भी खेला था। 31 साल के नुरुल ने आखिरी बार नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के लिए खेला था।

दो कप्तानी की छुट्टी हो गई

बांग्लादेश के टेस्ट और वनडे के कप्तानों को एशिया कप में जगह नहीं मिली है। टेस्ट के कप्तान नजमुल हुसैन शांटो टी20 में भी 2024 तक कप्तान थे। वहीं वनडे के कप्तान मेहदी हसन मिराज पिछली टी20 टीम का हिस्सा थे। लेकिन, इस बार वे 16 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उन्हें रिजर्व लिस्ट में रखा गया है। सौम्य सरकार, तनवीर इस्लाम और हसन महमूद को एशिया कप के लिए स्टैंड-बाय के तौर पर चुना गया है। यह टीम 30 अगस्त से सिल्हट में नीदरलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में भी बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

टीम इस प्रकार हैः लिट्टन कुमार दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदय, जाकेर अली अनिक, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, शाक महेदी हसन, रिशद हुसैन, नासुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, शैफ उद्दीन।

स्टैंडबायः सौम्य सरकार, मेहदी हसन मिराज, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद।

अंडर-20 चैंपियनशिप में संघर्ष करते नजर आए भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान

तीन खिलाड़ी बाहर

समोकोव, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के ग्रीको रोमन पहलवान अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में संघर्ष करते नजर आए। तीन खिलाड़ी क्वालिफाइंग दौर में ही बाहर हो गए, जबकि पांच अन्य पहलवान पदक की दौड़ में पहुंचने में सफल रहे। अनुज (67 किलो) को चीन के झाओयान लियु ने 9-0 से और नमन (97 किलो) को क्रोएशिया के आंद्रेज रोडिन ने 2-1 से हराया। लियू बाद में क्वार्टर फाइनल भी हार गए जिससे अमन का रेपचेज दौर में पहुंचने का रास्ता भी बंद हो गया।

रोडिन भी फाइनल में नहीं पहुंच पाए जिससे नमन भी बाहर हो गए। विनीत को मिस्र के मोहम्मद शाबाम इब्राहिम ने 72 किलोवर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। अनिल मोर (55 किलो) को अजरबैजान के तूरान दाशदामिरोव ने मात दी। उन्होंने इससे पहले बुल्गारिया के योरडान टोपालोव को 8-0 से हराया था। दाशदामिरोव अगर फाइनल में पहुंचते हैं तो मोर को रेपचेज में खेलने का मौका मिलेगा।

काजल महिलाओं के 72 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक के लिए खेलेंगी, जबकि श्रुति (50 किलो) और सारिका (53 किलो) कांस्य पदक के लिए खेलेंगी। ग्रीको रोमन पहलवान सूरज (60 किलो) और प्रिंस (72 किलो) भी कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना टीम नवंबर में केरल आएगी

ग्रीनफील्ड स्टेडियम में प्रदर्शनी मैच

फुटबॉल विकास कार्यक्रमों में भी एएफए मदद करेगा

तिरुवनंतपुरम, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने शनिवार को इस बात की पुष्टि कर दी है कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम इस साल नवंबर में दोस्ताना मुकाबले के लिए केरल का दौरा करेगी। दिलचस्प बात यह है कि इस टीम में स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी भी शामिल होंगे।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने भारत दौरे की पुष्टि की थी

अब्दुरहीमान अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की घोषणा के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने बताया था कि मैनेजर लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व में उनकी राष्ट्रीय टीम लुआंडा, अंगोला और केरल में दोस्ताना मैच खेलेगी। अब्दुरहीमान ने कहा कि राज्य ने शुरू में एएफए से इस साल अक्तूबर या नवंबर में मैच आयोजित करने का अनुरोध किया था।

अब्दुरहीमान ने कहा, शुरुआत में एएफए ने इस मैच को 2026 के लिए निर्धारित किया था। हालांकि हमने उनसे संपर्क किया और अनुरोध किया कि वे इस साल केरल में मैच आयोजित करें। अब एएफए ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि कर दी है। हमारा इरादा 2022 विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना टीम को भारत लाने का है। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को केरल लाने के लिए काफी प्रयास किए गए हैं। हमने बाकी व्यवस्थाओं की योजना बनाना शुरू कर दिया है और जल्द ही मुख्यमंत्री के साथ आयोजन स्थल सहित अन्य विवरणों पर चर्चा करेंगे।

केंद्रीय खेल मंत्रालय ने दी मंजूरी

केरल के खेल मंत्री ने कहा कि राज्य के लाखों फुटबॉल प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारा इरादा केरल में प्रशंसकों को मेसी को खेलते देखने का एक मंच प्रदान करना है।' मंत्री ने आगे कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक ने इस आयोजन को मंजूरी दे दी है और इस संबंध में एक सरकारी आदेश जारी कर दिया गया है।

विपक्षी टीम के बारे में अब्दुरहीमान ने कहा, हम फीफा की शीर्ष 50 टीमों में से एक टीम का चयन करेंगे।

कई टीमों ने हमसे संपर्क किया है। ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम ने रुचि दिखाई है और हमारा उनके साथ खेल विनिमय समझौता भी है। इसी तरह तीन-चार अन्य टीमों ने भी हमसे संपर्क किया है।

अर्जुन-इलावेनिल की जोड़ी ने सोने पर साधा निशाना

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण

शिमकेंट, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के अर्जुन बाबुता और इलावेनिल वलारिवान ने शनिवार को 16वें एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में सोने पर निशाना साधा। इस भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। अर्जुन और इलावेनिल की जोड़ी ने चीन डिंगके लू और शिनलु पेंग को 17-11 से हराया और पोडियम में शीर्ष पर रही।

चीनी जोड़ी शुरुआती दौर में आगे थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने 9.5 और 10.1 के स्कोर से उबरते हुए शानदार वापसी करके स्वर्ण जीता। इलावेनिल का यह इस चैंपियनशिप में दूसरा पदक है। वह इससे पहले महिला वर्ग में 10 मीटर एयर राइफल स्वर्ण जीत चुकी हैं। इससे पहले, अर्जुन, रुद्राक्ष पाटिल और किरण जाधव की भारतीय तिकड़ी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में टीम स्वर्ण पदक जीता था।

गणेश चतुर्थी पर जो भी करेगा अष्टविनायक के दर्शन, उसके बदल जाएंगे भाग्य

गणेश चतुर्थी का महोत्सव साल 2025 में 27 अगस्त से शुरू होगा। इस दौरान गणपति के भक्त 10 दिनों तक उत्सव मनाते हैं जिसे गणेशात्सव के नाम से भी जाना जाता है। भक्त इस दौरान घर में भी गणेश जी की प्रतिमा को स्थापित करते हैं। इस दौरान गणेश जी के मंदिरों में भी भक्तों का तांता लगा रहता है। यूं तो भारत में गणेश भगवान के कई मंदिर हैं लेकिन इन सभी भी अष्टविनायक मंदिरों को सबसे प्रमुख माना जाता है। आज हम आपको इन्हीं अष्टविनायक मंदिरों के बारे में जानकारी देंगे।

श्री मयूरेश्वर मंदिर: मोरगांव

अष्टविनायक मंदिरों में से एक मयूरेश्वर मंदिर महाराष्ट्र के मोरगांव में स्थित है। इसका आकार मोर की तरह है इसलिए इस मंदिर को मयूरेश्वर विनायक मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर काले पत्थर से बनाया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार त्रेता युग में सिंधुरासुर नाम के राक्षस का वध करने के लिए भगवान गणेश ने मयूरेश्वर का रूप धारण किया था।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर: सिद्धटेक

भगवान गणेश का सिद्धिविनायक मंदिर अहमदनगर के सिद्धटेक में स्थित है। माना जाता है कि भगवान विष्णु मधु-कैटभ नामक दो राक्षसों का वध करने से पहले इसी स्थान पर गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करके पूजा की थी। सिद्धिविनायक मंदिर के पास ही देवी शिवी और शंकर भगवान के मंदिर भी स्थित हैं।

श्री बल्लालेश्वर मंदिर: पाली

भगवान गणेश का यह मंदिर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पाली गांव में स्थित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश ने यहां बल्लाल को दर्शन दिए थे और साथ ही इस स्थान पर वास करने का वरदान भी दिया था। इस मंदिर में यूरापियन समय की एक बहुत बड़ी घंटी भी है, जो पुर्तगाल के आक्रमणकारियों पर विजय प्राप्त करने के बाद टांगी गई थी।

श्री गिरिजात्मज मंदिर: लेण्याद्री

इस मंदिर का नाम भगवान गणेश की माता पार्वती (गिरिजा) के नाम पर पड़ा है। यह मंदिर पुणे के लेण्याद्री में स्थित है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को 307 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह वो स्थान है जहां मां पार्वती ने मिट्टी की मूर्ति बनाई थी और वह मूर्ति जीवित हो उठी थी। इस स्थान पर गणेश जी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी।

श्री चिंतामणि विनायक मंदिर: थेऊर

यह मंदिर पुणे जिले के थेऊर में स्थित है। इस मंदिर को लेकर धार्मिक कथा प्रचलित है कि गणासुर नाम के एक राजा ने कपिल मुनि से इच्छापूर्ति करने वाला चिंतामणि रत्न छीन लिया था। तब कपिल मुनि की सहायता भगवान गणेश ने की थी। गणेश जी ने गणासुर का वध किया और चिंतामणि वापस प्राप्त कर कपिल मुनि को लौटाई। कपिल मुनि ने गणेश जी से उसी स्थान पर वास करने की प्रार्थना की थी। तब गणेश जी ने स्वयंभू प्रिमा में इस स्थान पर वास किया।

श्री विघ्नेश्वर मंदिर: ओझर

विघ्नेश्वर मंदिर अष्टविनायक मंदिरों में से एक है और महाराष्ट्र के ओझर में स्थित है। यह अष्टविनायक मंदिर में से एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां सोने का कलश स्थापित है। यह मंदिर पुणे से 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

श्री महागणपति मंदिर: रजनगांव

भगवान गणेश के इस मंदिर का निर्माण नौंवी-दसवीं शताब्दी के आसपास करवाया गया था। यह मंदिर पुणे के पास ही स्थित है। इस मंदिर को लेकर कहा जाता है कि माधवराव पेशवा ने मंदिर के तहखाने (बेसमेंट) में गणेश जी की मूर्ति को रखने के लिए एक कमरा बनवाया था। इसके बाद इसका फिर से निर्माण इंदौर के सरदार द्वारा किया गया।

श्री वरदविनायक मंदिर: महड

महाराष्ट्र के रायगढ़ के महड शहर में वरदविनायक मंदिर स्थित है। इस मंदिर का निर्माण पेशवा सुभेदार रामजी महादेव बिवलकर ने 1725 में करवाया था। यह मंदिर के पास एक झील है जहां से गणेश जी की मूर्ति खोजी गई थी और इस मंदिर में स्थापित की गई थी। माना जाता है कि इस मंदिर में जला दीपक 1892 से लगातार जल रहा है।

क्या होती है पत्र पूजा, गणेश पूजन में क्यों चढ़ाए जाते हैं 21 पत्ते?

गणेश चतुर्थी का पर्व पूरे देश में बड़े उत्साह और श्रद्धा से मनाया जाता है। इस दिन गणपति बप्पा की स्थापना कर 10 दिनों तक उनका पूजन किया जाता है। परंपरा है कि गणेशजी को मोदक और लड्डू के साथ 21 पत्तों (पत्रों) से पूजा की जाती है, जिसे पत्र पूजा कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार इन पत्तों का अलग-अलग धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। माना जाता है कि 21 पत्र अर्पित करने से विघ्नहर्ता गणपति जल्दी प्रसन्न होकर भक्तों के जीवन से संकट दूर करते हैं और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

21 पत्र अर्पित करने की परंपरा सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि इसमें गहरा आध्यात्मिक रहस्य छिपा है। हर पत्ता एक विशेष शक्ति, गुण और आशीर्वाद का प्रतीक है।जैसे दूर्वा समृद्धि का, शमी विजय का, बेल पवित्रता का और धतूरा उग्र शक्तियों को शांत करने का प्रतीक है। खास बात यह है कि सामान्य दिनों में गणपति को तुलसी पत्र नहीं चढ़ाया जाता, लेकिन गणेश चतुर्थी पर इसे शुभ माना जाता है।

21 पत्तों की सूची

शमी पत्र: इसे विजय और पाप नाशक माना गया है।
भृंगराज पत्र: आयुर्वेद में आयु और ऊर्जा देने वाला।
बेल पत्र: त्रिदेवों का प्रतीक, शिव और गणपति को प्रिय।
दूर्वा पत्र : गणपति का सबसे प्रिय, समृद्धि का प्रतीक।
बेर पत्र : सरलता और संतोष का द्योतक।
धतूरा पत्र : उग्र ऊर्जा को शांत करने वाला।
तुलसी पत्र : सामान्यतः गणपति को नहीं चढ़ाया जाता, लेकिन गणेश चतुर्थी पर अपवाद स्वरूप अर्पित किया जाता है।
सेम पत्र : अन्न और उर्वरता का प्रतीक।
अपामार्ग पत्र : रोग निवारक और शुद्धि का द्योतक।
कण्टकारी पत्र : बाधा नाशक और औषधीय गुणों वाला।
सिन्दूर पत्र : सौभाग्य और मंगल का प्रतीक।
तेजपत्ता पत्र: सुगंध, शांति और समृद्धि लाने वाला।
अगस्त्य पत्र: ज्ञान और शक्ति का प्रतीक।
कनेर पत्र : निडरता और साहस का प्रतीक।
केले का पत्र : समृद्धि और उन्नति का प्रतीक।
आक पत्र : रोग हरने वाला और गणेशजी का प्रिय।
अर्जुन पत्र : धैर्य और शक्ति का प्रतीक।
देवदार पत्र : शुद्धता और स्थिरता दर्शाने वाला।
मरुआ पत्र : सुगंध और पवित्रता का प्रतीक।
कचनार पत्र : उन्नति और सौंदर्य का द्योतक।
केतकी पत्र : पवित्रता और मंगल कार्यों का प्रतीक।

इन पत्तों का महत्व

गणेश पूजा में इन 21 पत्तों का प्रयोग केवल परंपरा नहीं बल्कि एक गहरी आस्था का हिस्सा है।

गणेश पुराण में वर्णन मिलता है कि एक समय तुलसी और गणपति ने एक-दूसरे को शाप दिया था। इसी कारण सामान्य दिनों में गणपति को तुलसी पत्र अर्पित नहीं किया जाता लेकिन गणेश चतुर्थी के दिन यह अपवाद माना जाता है और इस दिन तुलसी पत्र चढ़ाना शुभ फलदायी होता है। इस तरह 21 पत्तों की पूजा गणपति के लिए सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि ऊर्जा, स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक है।

गणेश चतुर्थी की पूजा में वास्तु के इन नियमों का करें पालन

बप्पा जीवन की हर विघ्न बाधा को करेंगे दूर

गणेश चतुर्थी का पावन त्योहार हर वर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर भक्त बप्पा की प्रतिमा को घर में स्थापित कर उनकी विधि-विधान से पूजा करते हैं। हालांकि बप्पा की पूजा के दौरान कुछ वास्तु नियमों का पालन भी आपको करना चाहिए। अगर आप गणेश चतुर्थी के दौरान वास्तु के नियमों के अनुसार घर को सजाते हैं तो कई शुभ परिणाम आपको प्राप्त होते हैं।

भगवान गणेश की चौकी से जुड़े वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र में पूजा पाठ से जुड़े नियमों के बारे में भी विस्तार से बताया गया है। ऐसे में गणेश जी की पूजा से जुड़े नियमों का पालन आपको गणेश चतुर्थी के दिन करना चाहिए। गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करने के लिए लकड़ी से बनी चौकी आपको घर लानी चाहिए। गणेश जी की चौकी आपको घर के उत्तर-पूर्व कोने (ईशान कोण) में रखनी चाहिए और इस दिशा में रखी चौकी पर गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए।

चौकी के आसपास के स्थान को फूल, केले के पत्ते आदि से आपको सजाना चाहिए। इस तरह घर में गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना करने से सुख-समृद्धि आपके जीवन में आती है।

मुख्य द्वार से जुड़ी वास्तु नियम

गणेश चतुर्थी के दौरान घर के मुख्य द्वार को भी सजाना बेहद शुभ माना जाता है। यहीं से विघ्नहर्ता गणेश जी का प्रवेश आपके घर में होता है। इसलिए गणेश चतुर्थी के मौके पर आपको घर के मुख्य दरवाजे पर आम के पत्तों का बंदनवार लगाना चाहिए। इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिह्न भी आप बना सकते हैं। मुख्य द्वार के पास रंगोली बनाना भी बेहद शुभ इस दौरान माना जाता है। ऐसा करने से आपके घर का वास्तु तो सुधरता ही है साथ ही गणेश जी आपके जीवन की विघ्न बाधाओं को भी दूर करते हैं।

रंगों का रखें विशेष ध्यान

गणेश चतुर्थी के मौके पर घर को सजाते समय आपको रंगों का इस्तेमाल भी बेहद सावधानी से करना चाहिए। इस दौरान गलती से भी आपको काले, भूरे, गाढ़े नीले रंग का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। वास्तु के अनुसार गणेश चतुर्थी जैसे धार्मिक मौकों पर लाल, गुलाबी, पीले और हरे रंगों का उपयोग करना चाहिए। इन रंगों का इस्तेमाल करने से आपके घर में सकारात्मकता बनी रहती है और साथ ही ईश्वर का आशीर्वाद भी आपको प्राप्त होता है।

कामयाबी के रास्ते का कांटा हैं ये 5 चीजें, नीम करोली बाबा ने इनसे दूर रहने की दी है सीख

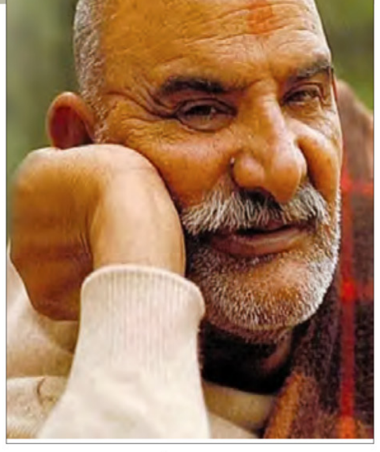

नीम करोली बाबा को भारत के महान संतों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने जीवनकाल के दौरान कई ऐसी शिक्षाएं दी हैं जिनपर अमल करके लोग आज भी लाभ पाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि नीम करोली बाबा ने कामयाब होने के लिए किन चीजों से दूर रहने की सलाह दी है।

नीम करोली बाबा

बाबा नीम करोली भारत के महान आध्यात्मिक गुरुओं में शामिल हैं। उनके भक्त न केवल भारत बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से नैनीताल स्थित कैंची धाम आते हैं। उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को लोग आज भी आत्मसात करते हैं। नीम करोली बाबा ने कामयाब होने के लिए कुछ चीजों से दूरी बनाने की सीख दी है। आज हम आपको इसी के बारे में अपने इस लेख में जानकारी देंगे। नीम करोली बाबा के द्वारा बताई गई इन बातों को समझकर आप भी खुद में कई बदलाव कर सकते हैं।

ईर्ष्या करने से बचें

नीम करोली बाबा के अनुसार ईर्ष्या करने से व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का ही नाश करता है। इसके कारण आपको सफलता भी नहीं मिलती है। इसलिए कभी भी दूसरों से ईर्ष्या आपको नहीं करनी चाहिए। आपका ईर्ष्यालू स्वभाव आपको असामाजिक भी बनाता है और मानसिक परेशानियों को कारण भी बनता है।

लालच है बुरी बला

नीम करोली बाबा के अनुसार जो व्यक्ति लालची होता है उसको जीवन में ना ही बरकत मिलती है और ना सफलता। लालच करने वाला व्यक्ति हमेशा अपने हित के बारे में सोचता है, जो समाज के बीच रहने वाले वाले व्यक्ति का अच्छा गुण नहीं है। इसलिए लालच करने से हमें बचना चाहिए, लालच हमारी सफलता के राह का कांटा है।

अहंकार करने से बचें

जो व्यक्ति अहंकार में जीता है उसे कभी जीवन में सही राह नहीं मिलती। अहंकार के वशीभूत होकर व्यक्ति गलत संगति में भी पड़ जाता है। साथ ही ऐसे लोगों से अच्छे लोग हमेशा दूरी बनाते हैं। नीम करोली बाबा के अनुसार अहंकार रुपी कांटे को अगर आप अपने चरित्र से निकाल देते हैं तो सफलता जरूर आपके कदम चूमती है। वहीं जो लोग अहंकार में जीते हैं उन्हें सफल होने में बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

क्रोध करने से बचें

क्रोध से भी नीम करोली बाबा बचने को कहते हैं। क्रोध में आकर व्यक्ति दूसरों का नहीं बल्कि अपना ही अहित कर देता है। क्रोध करने से मानसिक शांति भी भंग होती है और आप अपने उद्देश्य से भी भटक जाते हैं। इसलिए आपको क्रोध पर हमेशा नियंत्रण रखना चाहिए।

नकारात्मक लोगों से दूरी

नीम करोली बाबा के अनुसार हमें अपनी संगति का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनानी चाहिए जो नकारात्मक बातें करते हैं या गलत कार्यों में लिप्त रहते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने पर आप सफलता के पथ से भटक सकते हैं। वहीं अच्छी संगति में रहकर आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

हरतालिका तीज पर बनने वाले हैं यह पांच बेहतरीन संयोग, कई गुना हो जाएगा व्रत का लाभ

26 अगस्त को महिलाएं तीज का व्रत रखेंगी। भाद्रपद महीने के तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला हरतालिका तीज काफी महत्वपूर्ण व्रत में से एक माना जाता है। इस दिन महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना करने और अपने पति की लंबी आयु के लिए निर्जला-निराहार उपवास रखती हैं और भगवान भोलेनाथ का व्रत करती हैं। लेकिन इस बार तीज के दिन एक या दो नहीं बल्कि पांच बेहतरीन और अद्भुत संयोग का निर्माण हो रहा है। जिससे तीज व्रत का फल कई गुना बढ़ जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित शत्रुघ्न झा बताते हैं कि इस साल 26 अगस्त को चार विशिष्ट योग का निर्माण हो रहा है। उन्होंने बताया कि उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, शोभन योग, गजकेसरी योग और पंचमहापुरुष योग का निर्माण हो रहा है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इन चारों योग में से गजकेसरी योग को सबसे अधिक महत्वपूर्ण और शुभ फलदायी माना गया है। काफी लंबे समय के बाद ग्रहों की ऐसी स्थिति बन रही है, जिस कारण तीज का व्रत रखने वाली महिलाओं को काफी फायदा होगा। उन्होंने बताया कि महिलाओं को गजकेसरी योग में भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए। पूजन का मुहूर्त 25 अगस्त की दोपहर 12:34 बजे से प्रारंभ होकर 26 अगस्त की दोपहर 1:54 बजे तक रहेगा। इसलिए 26 अगस्त की दोपहर 1:54 बजे से पहले पूजन करना शुभ माना जाएगा।

इस योग का भी होना है निर्माण

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हरतालिका तीज के दौरान नव पंचम योग का भी निर्माण हो रहा है। जिसका फायदा कई राशि के जातकों को विशेष रूप से मिलेगा। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त के दिन शनि और शुक्र एक दूसरे के साथ मिलकर नवपंचम योग का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि 26 अगस्त को शनि मीन राशि में रहेंगे और शुक्र मिथुन राशि में रहेंगे। यह दोनों ग्रह एक दूसरे से वक्री हो जाएंगे, जिस कारण नवपंचम योग का निर्माण होगा। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि नाव पंचम योग से मेष राशि, सिंह राशि और मीन राशि के जातकों को विशेष फायदा पहुंचेगा। ऐसे में इस बार के तीज का त्योहार काफी खास होने वाला है।

कांतारा चैप्टर 1 में अहम भूमिका निभाएंगे गुलशन देवैया

ऋषभ शेट्टी की साल 2022 में आई फिल्म कांतारा ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर प्रदर्शन किया। दर्शकों को फिल्म खूब पसंद आई। अब इस फिल्म का प्रीक्वल आ रहा है। फिल्म कांतारा चैप्टर 1 को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। इस फिल्म में एक्टर गुलशन देवैया की एंट्री हो गई है। आज मंगलवार को मेकर्स ने एक्टर का लुक रिवील किया है। होम्बले फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें गुलशन देवैया का लुक रिवील किया गया है। गुलशन देवेया कुलशेखर की भूमिका अदा करेंगे। जारी किए गए पोस्टर में वे दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर मुकुट सजा है और किसी राजा की वेशभूषा में वे सिंहासन पर विराजमान हैं। पोस्टर हिंदी, अंग्रेजी के अलावा अन्य साउथ भाषाओं में भी रिलीज किया गया है।

नेटिजन्स ने जताई खुशी

गुलशन दैवेया के लुक पर नेटिजन्स की जबर्दस्त प्रतिक्रिया आ रही है। गुलशन को देख फिल्म के प्रति दर्शकों का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। एक यूजर ने लिखा, अपना गुल्लू, कुलशेखर बनकर छा गया। एक अन्य यूजर ने लिखा है, जबर्दस्त कास्टिंग। एक यूजर ने लिखा, आपको फिल्म का हिस्सा बनते देख खुशी हो रही है।

कब रिलीज होगी कांतारा

गुलशन देवैया चर्चित एक्टर हैं। उन्हें शैतान, हेट स्टोरी , गोलियों की रासलीला राम-लीला, कमांडो 3 और बधाई दो जैसी फिल्मों में देखा गया है। अब कांतारा के जरिए वे कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। बात करें फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तो यह 02 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कांतारा (2022) बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही है। ऋषभ शेट्टी ने इस फिल्म को लिखा था और डायरेक्ट भी उन्होंने किया था। 2022 में इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अल्लू अर्जुन और एटली की फिल्म पर आया अपडेट

100 दिन तक शूटिंग करेंगी दीपिका

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की अपकमिंग फिल्म में बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। फिल्म एक पैरेलल यूनिवर्स पर आधारित कहानी होगी, जो भारतीय सिनेमा के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव साबित हो सकती है।

नवंबर से दीपिका करेंगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका पादुकोण इस प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर 2025 से शुरू करेंगी। खास बात यह है कि वो लगभग 100 दिनों तक लगातार शूटिंग में व्यस्त रहेंगी। दीपिका इस फिल्म में एक योद्धा का किरदार निभाने वाली हैं, जिसके लिए उनका लुक और हथियार विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, दर्शक ऐसे अवतार में दीपिका दिखेंगी जो पहले कभी पर्दे पर नहीं देखा गया। इस किरदार में भरपूर एक्शन, इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शामिल होंगे।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन के अलावा इसमें रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर जैसी लोकप्रिय अभिनेत्रियां भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

दीपिका का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण फिलहाल इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो अक्टूबर 2025 में शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने द इंटरन के हिंदी रीमेक से अलग होकर सुर्खियां बटोरी थीं और अब वह प्रोडक्शन की ओर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

अल्लू अर्जुन का ट्रिपल रोल

फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अल्लू अर्जुन इसमें तीन अलग-अलग किरदार निभाने जा रहे हैं। हर किरदार की अपनी एक पहचान और लुक होगा। बताया जा रहा है कि यह फिल्म दो अलग-अलग दुनियाओं में सेट है, जिनमें से एक पैरेलल यूनिवर्स है। इसका स्केल हॉलीवुड की अवतार जैसी फिल्मों की याद दिलाएगा। अल्लू अर्जुन इस प्रोजेक्ट को लेकर इतने गंभीर हैं कि उन्होंने अपने बाकी सभी कमिटमेंट्स किनारे रख दिए हैं और पूरी तरह से फिल्म पर फोकस कर रहे हैं।

सोनाक्षी के टैलेंट का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ

बॉलीवुड की दमदार अदाकारा सोनाक्षी सिन्हा की कुछ समय पहले रिलीज हुई फिल्म निकिता रॉय बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई। हाल ही में उनके भाई और डायरेक्टर कुश सिन्हा ने बहन के करियर और उनकी क्षमता को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सोनाक्षी में अपार टैलेंट है, लेकिन इंडस्ट्री में कई बार उनकी असली क्षमता को सही तरीके से सामने नहीं लाया गया। कुश सिन्हा ने हालिया इंटरव्यू में कहा है कि उन्होंने हमेशा सोनाक्षी को एक अदाकारा के रूप में अलग नजरिए से देखा है। भाई होने के साथ-साथ एक दर्शक के तौर पर भी उन्होंने महसूस किया कि सोनाक्षी को वो मौके नहीं मिले जिनसे उनकी पूरी रेंज सामने आती। उन्होंने याद दिलाया कि लुटेरा और अकीरा जैसी फिल्मों में सोनाक्षी ने यह साबित किया कि वो सिर्फ कमर्शियल फिल्मों की हीरोइन नहीं बल्कि एक गंभीर और परिपक्व अभिनेत्री भी हैं। कुश ने इस बातचीत में यह भी कहा कि फिल्मकार कई बार सितारों को उनकी सीमाओं से आगे धकेलने से हिचकिचाते हैं। इसका नुकसान कलाकारों को होता है क्योंकि उनकी असली प्रतिभा पर्दे पर पूरी तरह से सामने नहीं आ पाती। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि कलाकारों की अपनी पसंद भी बहुत मायने रखती है। कई बार कागज पर शानदार लगने वाला किरदार शूटिंग के दौरान उतना असरदार साबित नहीं होता।

सही चुनाव से बनता है करियर

कुश का मानना है कि इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए फिल्मों का चुनाव बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार अभिनेता कुछ प्रोजेक्ट्स चुन लेते हैं जो बाद में उतने प्रभावी साबित नहीं होते। वहीं, कभी-कभी उम्मीद से कहीं ज्यादा शानदार नतीजे भी मिल जाते हैं। यही इस इंडस्ट्री की अनिश्चितता है।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में अमित सियाल निभाएंगे सुग्रीव की भूमिका

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण के एक-एक अपडेट का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। सबसे ज्यादा फिल्म के किरदारों को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। मिली जानकारी के मुताबिक रामायाण फिल्म में अमित सियाल सुग्रीव का किरदार निभा रहे हैं।

महाकाव्य रामायण में वानर राज सुग्रीव एक बहुत ही महत्वपूर्ण पात्र हैं, जो बाली के छोटे भाई हैं। रणबीर कपूर अभिनीत रामायण फिल्म में सुग्रीव की भूमिका टैलेंटेड एक्टर अमित सियाल निभाएंगे। ये जानकारी अमर उजाला को मिली है। अब दर्शकों को मेकर्स द्वारा इसके आधिकारिक एलान का इंतजार है। आपको बताते चलें कि इससे पहले कहा जा रहा था कि अमित सियाल बाली की भूमिका निभाते दिखेंगे। हालांकि, अब यह साफ हो गया है कि अभिनेता सुग्रीव का ही किरदार निभा रहे हैं। अमित ने रामायण फिल्म में कुछ हिस्सों की शूटिंग भी कर ली है। अभिनेता को वानर राज सुग्रीव की भूमिका में देखना दर्शकों के लिए रोमांचक अनुभव होने वाला है।

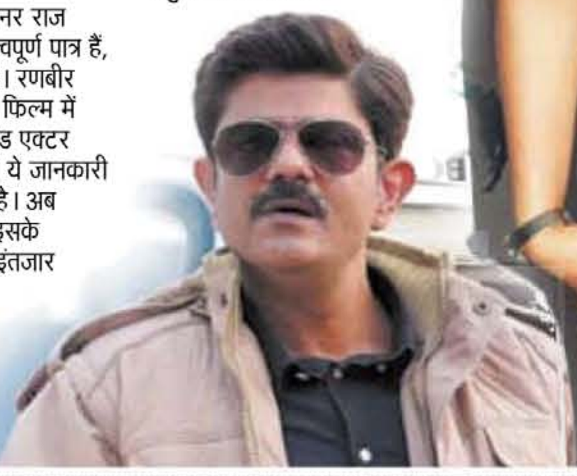

मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया

हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम जल्द ही अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म बेबी डू डाई डू रिलीज करने वाली हैं। अभिनय के अलावा, दोनों ने अब निर्माता बनने का फैसला किया है ताकि वे अच्छी कहानियों को खुद चुन सकें और उन्हें दर्शकों तक पहुंचा सकें।

एक खबर के मुताबिक, हुमा का कहना है कि अभिनेत्री के तौर पर उन्हें हमेशा दूसरों के चुने हुए रोल पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उनमें निराशा थी, क्योंकि वे और भी बहुत कुछ कर सकती थीं। इसीलिए उन्होंने और साकिब ने खुद कहानियां बनाने का फैसला किया। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म जल्द रिलीज होगी और इसके बाद हुमा एक इन्वेस्टिगेटिव फिल्म बयान में नजर आएंगी।

क्या नया करना चाहती हैं हुमा

39 साल की हुमा ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में गैंग्स ऑफ वासेपुर, डेढ़ इश्किया और जॉली एलएलबी 2 जैसी फिल्में शामिल हैं। अब वह नई और अच्छी कहानियां लाना चाहती हैं। वे कहती हैं कि उन्होंने और साकिब ने दूसरों के मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया। वे अपने प्रोडक्शन हाउस को ऐसा बनाना चाहती हैं, जहां नए चेहरों को मौका मिले और काम का माहौल बेहतर हो। हुमा का कहना है कि वे दूसरों की गलतियों को नहीं दोहराएंगी। भविष्य में वे बड़ी फिल्में बनाना चाहेंगी, लेकिन नए टैलेंट को मौका देने की कीमत पर नहीं।

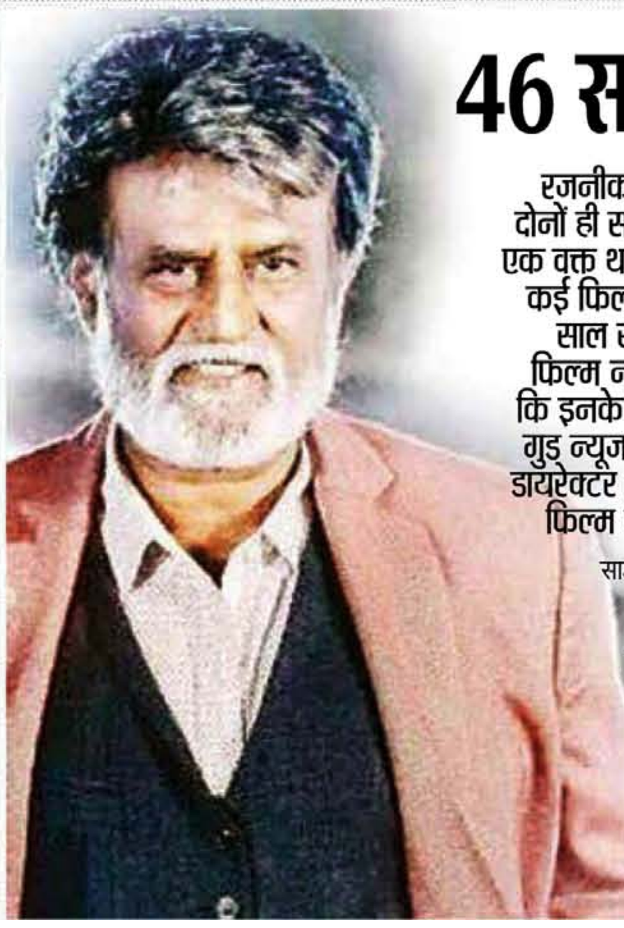

46 साल बाद साथ काम करेंगे रजनीकांत-कमल हासन

रजनीकांत और कमल हासन दोनों ही साउथ के सुपरस्टार्स हैं। एक वक्त था, जब इन्होंने साथ में कई फिल्में की थीं, लेकिन 46 साल से इनकी साथ में कोई फिल्म नहीं आई। अब खबर है कि इनके फैंस को जल्द ही एक गुड न्यूज मिल सकती है। दोनों डायरेक्टर लोकेश कनगराज की फिल्म में नजर आ सकते हैं।

गैंगस्टर ड्रामा में एक होगा हीरो तो दूसरा विलेन

साउथ इंडियन सिनेमा के दो बड़े सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन की जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दे चुकी है। इन दोनों स्टार्स को साथ में देखने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। इस जोड़ी को पिछली बार हिंदी फिल्म गिरफ्तार में देखा गया था। ये साल 1985 में रिलीज हुई थी। अब खबर आई है कि करीब 46 साल बाद ये दोनों साथ में एक फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे साउथ के बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक लोकेश कनगराज। इंडस्ट्री इंसाइडर श्रीधर पिल्लई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दोनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों लगभग 46 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं।

लोकेश ने दोनों सुपरस्टार्स से की थी मुलाकात

इससे पहले खबर आई थी कि कुछ दिनों पहले ही लोकेश कनगराज ने दोनों सुपरस्टार्स से मुलाकात कर फिल्म की स्टोरी बताई थी। इस फिल्म को राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर सकता है।

14 अगस्त को रिलीज हुई थी कुली

कुली को फिल्म को लोकेश कनगराज ने ही डायरेक्ट किया है। इसमें आमिर खान और नागार्जुन जैसे सितारे भी हैं। यह 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। दर्शक इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं।

कमल हासन की पिछली फिल्म

वहीं कमल हासन की लास्ट मूवी ठग लाइफ थी। इस फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। ये एक गैंगस्टर ड्रामा थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया था। कमल हासन लोकेश कनकराज के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। उनकी मूवी विक्रम उन्होंने ही डायरेक्ट की थी।

कमल और रजनीकांत की साथ में फिल्में

कमल और रजनीकांत ने अपूर्व रागंगल, अवल अप्पादिथन, 16 वैयाथिनिले, इलामै ऊंजल आदुकिराथु, थिल्लू मुल्लू और निनैथले इनिक्कूम जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

कमल हीरो तो रजनीकांत होंगे विलेन!

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कमल हासन हीरो और रजनीकांत विलेन की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। रजनीकांत हाल ही में कमल हासन की बेटी श्रुति हासन के साथ फिल्म कुली में दिखाई दिए थे।

आईजीआरएस पोर्टल पर डिफाल्टर विभागों के अधिकारियों का वेतन रोकें : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने आईजीआरएस पोर्टल पर गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन की रैंकिंग न आने पर नाराजगी जताई है। साथ ही उन विभागों के अधिकारियों के वेतन रोकने के भी निर्देश दिए हैं जिन विभागों में 70 प्रतिशत से अधिक असंतुष्ट फीडबैक और डिफाल्टर श्रेणी में दर्ज किया गया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण की प्रगति एवं फीडबैक की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गयी।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने असंतुष्ट फीडबैक एवं डिफॉल्टर श्रेणी में आने वाले प्रकरणों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार को निर्देशित किया कि जिन विभागों में 70 प्रतिशत से अधिक असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुए हैं तथा जो विभाग डिफॉल्टर श्रेणी में दर्ज किए गए हैं, उनके संबंधित अधिकारियों का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोका जाए। साथ ही बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने वाले विभागीय अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोका जाए एवं उनके विरुद्ध स्पष्टीकरण जारी किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा शासन स्तर पर प्रतिदिन की जाती है और उसी के आधार पर जनपद की रैंकिंग निर्धारित होती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी भू0अ0 राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे, मुख्य कोष अधिकारी शिखा गुप्ता तथा प्राधिकरण एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रैफिक पुलिस की सख्ती

ग्रेटर नोएडा में बिसरख हनुमान मंदिर गोलचक्कर मार्ग पर यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उनके चालान काटे गए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन में हिस्सा लिया। 102 वर्षों के अपने गौरवशाली इतिहास को समेटे उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन में उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली एवं अन्य न्यायाधीशों ने हिस्सा लिया।

एमिटी में पीएचडी छात्रों का नया सत्र, हवन से शुरूआत

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय मे पीएचडी ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती, एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा चंद्रदीप टंडन एंव पीएचडी प्रोग्राम के इंचार्ज डा के एम सोनी ने सभी अभ्यर्थियों सहित हवन करके कार्यक्रम का प्रारंभ किया। एमिटी में 300 से अधिक छात्रों का चयन पीएचडी के लिए हुआ है।

एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान में शोध करने वाले उस संस्थान को नई पहचान देते है। आप आने वाले छात्रों के पथप्रदर्शक है। एमिटी सदैव युवाओं को अनुसंधान के लिए प्रेरित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। यहां आपको विकास के सभी अवसर, वैश्विक अनावरण और ज्ञिज्ञासा के उत्तर प्राप्त होगे जो आपके विकास में सहायक होगे। प्रार्थनाओ मे बड़ी शक्ति होती है और जब किसी भी कार्य का प्रारंभ ईश्वर की उपासना से किया जाता है तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। एमिटी आपके शोध में ही सहायक नही बनेगा बल्कि आपको अपने शोध व नवाचार को पेटेंट कराने और उसके व्यवसायिक उपयोग करने के लिए ड्यम प्रारंभ करने में भी सहायता प्रदान करेगा।

एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस अनिश्चित समय में जब सारा विश्व भारत की ओर मार्गदर्शन के लिए देख रहा है ऐसे में आपकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इस दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान पीएचडी विनियम और दिशानिर्देश विद्वानों को प्रदान किये जायेगें और विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जायेगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखेगी 'मेड इन यूपी' की ताकत

500 से ज्यादा विदेशी बॉयर्स करेंगे शिरकत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) में करीब 80 देशों से 500 से अधिक बायर्स के आने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर शुरू किए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 'मेड इन यूपी' की ताकत पूरी दुनिया देखेगी।

अधिकृत सूत्रों ने बताया कि अब तक 75 देशों के 340 से ज्यादा बायर्स ने आने की पुष्टि भी कर दी है। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में इसमें और तेजी से वृद्धि की संभावना है। इस तरह यूपीआईटीएस प्रदेश के उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के दरवाजे खोलने वाला साबित होगा।

ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होने जा रहा है। यह मेगा शो न केवल प्रदेश की औद्योगिक शक्ति और सांस्कृतिक पहचान का परिचय देगा बल्कि दुनिया भर के निवेशकों और खरीदारों को मेड इन यूपी की ताकत भी दिखाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में करीब 80 देशों से 500 से अधिक बायर्स के आने की उम्मीद है। इनमें से अब तक 75 देशों के 340 से ज्यादा बायर्स ने आने की पुष्टि भी कर दी है। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में इसमें और तेजी से वृद्धि की संभावना है। इस तरह यूपीआईटीएस प्रदेश के उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के दरवाजे खोलने वाला साबित होगा।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हब बनेगा शो

योगी सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना पहले ही प्रदेश को अलग पहचान दिला चुकी है। यूपीआईटीएस में इन उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी लगाकर इन्हें वैश्विक खरीदारों से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को फायदा होगा, बल्कि निर्यात और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आयोजित यह शो उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय व्यापार का हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। इसका उद्देश्य प्रदेश को निर्यात के मामले में शीर्ष पायदान पर ले जाना और निवेश आकर्षित करना है। सरकार चाहती है कि यूपी के हर जिले का हुनर वैश्विक बाजारों तक पहुंचे और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में योगदान दे।

500 से ज्यादा विदेशी बॉयर्स आने की संभावना

दुनिया के 9 प्रमुख रीजंस से इंटरनेशनल बायर्स का आगमन इस आयोजन को और खास बना रहा है। यूरोप और सीआईएस रीजंस से कुल 110 बायर्स के आने की संभावना है, जिनमें से 88 बायर्स (18 यूरोपीय और 6 सीआईएस देशों से) ने पहले ही सहमति दे दी है। वेस्ट एशिया से 100 बायर्स का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 12 देशों के 76 बायर्स अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर चुके हैं। इसी तरह साउथ ईस्ट एशिया से 80 बायर्स की उम्मीद है, जिनमें से 5 देशों के 10 बायर्स अब तक पुष्टि कर चुके हैं। साउथ एशिया रीजंस से 50 में से 30 बायर्स (3 देशों से) आने वाले हैं। वहीं, लैटिन अमेरिकी देशों से 50 बायर्स की संभावना है, जिनमें से 6 देशों के 27 बायर्स ने सहमति दी है। ओशनिया से 30 बायर्स का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 2 देशों के 3 बायर्स ने अपनी पुष्टि कर दी है। नॉर्थ अमेरिका से 30 बायर्स की उम्मीद है और इनमें से 3 देशों के 9 बायर्स आने को तैयार हैं। अफ्रीका रीजंस से 50 बायर्स का लक्ष्य है, जिनमें 11 देशों के 38 बायर्स पहले ही सहमति दे चुके हैं।

कृष्ण का जीवन आप्त पुरुषों जैसा निष्कलंक था : ममता आर्या

गाजियाबाद (चेतना मंच)। वेद प्रचार परिषद द्वारा आदर्श पब्लिक स्कूल,मकनपुर इन्दिरापुरम गाजियाबाद में अमावस्या पर यज्ञ और प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वैदिक विदुषी ममता आर्या ने अमावस्या के पावन अवसर पर यज्ञ कराया और बच्चों तथा अध्यापकों को बताया कि भगवद्गीता में श्रीकृष्ण भगवान ने यज्ञ न करने वाले को पापी बताया है। उन्होंने श्रीकृष्ण जीवन चरित्र पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि महाभारत में श्रीकृष्ण का जीवन आप्त पुरुषों जैसा निष्कलंक था।

मुख्य वक्ता डा. जयेन्द्र आचार्य (कुलपति आर्ष गुरुकुल नोएडा) ने अपने वक्तव्य में बताया कि बुद्धि दो प्रकार की होती है स्वाभाविक और नैमित्तिक। मनुष्य को परमात्मा ने नैमित्तिक बुद्धि दी है, उसे सब कुछ सीखना पड़ता है जबकि अन्य सभी प्राणियों को उनकी आवश्यकता का ज्ञान उन्हें जन्म से ही मिल जाता है इसलिए मनुष्य को सिखाने और संस्कारित करने की जरूरत होती है। श्रीकृष्ण योगीराज थे। 12 वर्ष की आयु में वह गुरुकुल चले गए, गुरु संदीपन के आश्रम में पढ़ाई की। उन्होंने न गोपियों के साथ रास रचाया, न माखन चुराया, न कोई अनैतिक कार्य किया। पूरे महाभारत और भगवदगीता में कहीं भी उनका संबंध राधा नाम के किसी पात्र से नहीं रहा। श्रीकृष्ण जैसा नीति वान, राजनीतिज्ञ, विनम्र, सदाचारी, ज्ञानी व्यक्ति महाभारत में अन्य कोई नहीं है। उनकी रूक्मिणी ही एक मात्र पत्नी थी और बारह साल के कठोर व्रत के बाद प्रद्युम्न नामक एक पुत्र पैदा हुआ जो हूबहू श्रीकृष्ण के समान ही दिखता था।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक सुबोध त्यागी ने सबका धन्यवाद किया।

समाज सेवी व जे पी एस पब्लिक स्कूल के संस्थापक विनोद त्यागी ने बच्चों को बताया कि मनुष्य जीवन अमावस्या के समान अंधेरे से घिरा रहता है जैसे अमावस्या के बाद चन्द्रमा धीरे धीरे बढ़ता जाता है और पौर्णिमा तक पूर्ण हो जाता है ऐसे ही हमें धीरे धीरे विद्या अर्जन करना चाहिए और अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करना चाहिए।

मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह के पब्लिक स्कूलों में आध्यात्मिक कार्यक्रम निरंतर होते रहने चाहिए।